आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	36°C	21°C

इनसाइड न्यूज

सामाजिक परिवर्तन दिवस पर बोले राहुल गांधी, अगर नेहरू जी होते...
उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

शनिवार 14 मार्च, 2026 | पेज: 12 | मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष: 17, अंक: 151 | www.janexpresslive.com/epaper

पीएम ने असम दौरे पर कांग्रेस पर चुन-चुन... 12

अभिषेक प्रकाश की बहाली पर उठे सवाल

निलंबन, साक्ष्य का अभाव और प्रशासनिक पारदर्शिता पर नई बहस

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने 2006 बैच के आईएएस अधिकारी और पूर्व इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश की बहाली का निर्णय लिया है। शासन के सूत्रों के अनुसार उनकी बहाली 14 मार्च के बाद से प्रभावी मानी जाएगी। गौरतलब है कि उन्हें एक सोलर कंपनी से परियोजना स्वीकृति के बदले कथित रूप से रिश्वत मांगने के आरोप में 20 मार्च 2025 को निलंबित किया गया था। लेकिन बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने फरवरी 2026 में साक्ष्यों के अभाव में उनके खिलाफ दाखिल चार्जशीट को रद्द कर दिया था। अब निलंबन अवधि लगभग एक वर्ष पूरी होने से पहले इस मामले की रिपोर्ट Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions को भेजी जानी है, जिसके मद्देनजर उनकी बहाली का आदेश प्रभावी माना जाएगा।

फाइल फोटो

निलंबन से बहाली तक: क्या उठते हैं बड़े सवाल?

इस पूरे प्रकरण ने प्रशासनिक तंत्र और शासन की कार्यप्रणाली को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि किसी महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत अधिकारी के खिलाफ केवल एक शिकायत के आधार पर कठोर कार्रवाई की जाती है और बाद में साक्ष्य के अभाव में मामला समाप्त हो जाता है, तो यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं रह जाता, बल्कि प्रशासनिक विश्वसनीयता और पारदर्शिता का विषय बन जाता है। यह भी आशंका सामने आती है कि कहीं ऐसा कोई षड्यंत्र तो नहीं रचा गया जिससे राज्य की विकास गति या निवेश वातावरण को प्रभावित किया जा सके।

'निर्दोष साबित' और साक्ष्य के अभाव में फर्क

कानूनी दृष्टि से निर्दोष साबित होना और साक्ष्य के अभाव में मामला समाप्त होना दो अलग-अलग स्थितियाँ हैं। यदि कोई अधिकारी पूरी तरह निर्दोष है तो सरकार को इसे स्पष्ट रूप से सार्वजनिक करना चाहिए। लेकिन यदि मामला केवल सबूतों के अभाव में समाप्त हुआ है तो यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि-

- शिकायत किसने की थी
- शिकायत के पीछे क्या उद्देश्य था और इस पूरे प्रकरण से किसे लाभ हुआ
- इन सवालों के जवाब सामने आना प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए आवश्यक है।

क्या किसी को मिला प्रशासनिक या आर्थिक लाभ?

इस मामले का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी हो सकता है कि अधिकारी के पद से हटने के बाद किन लोगों या समूहों को लाभ मिला। क्या ऐसी परियोजनाएँ या प्रस्ताव थे जिन्हें पहले रोका गया था और बाद में मंजूरी मिल गई? यदि ऐसा हुआ है तो यह पूरा मामला केवल व्यक्तिगत आरोप का नहीं बल्कि नीतिगत हस्तक्षेप और प्रशासनिक प्रभाव का भी विषय बन सकता है।

निवेश वातावरण और प्रशासनिक भरोसे पर असर

ऐसे मामलों का प्रभाव केवल एक अधिकारी तक सीमित नहीं रहता। उच्च पदों पर बैठे अधिकारी कई बड़े निवेशकों और कॉर्पोरेट समूहों के साथ काम करते हैं। अचानक निलंबन जैसी कार्रवाई से-

- प्रशासनिक स्थिरता प्रभावित होती है
- निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है और राज्य की निवेश-अनुकूल छवि पर भी असर पड़ सकता है।
- उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में, जो लगातार निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है, ऐसे घटनाक्रमों के दूरगामी आर्थिक प्रभाव भी हो सकते हैं।

पारदर्शी जांच की जरूरत

इस पूरे प्रकरण में अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता निष्पक्ष और पारदर्शी विवेचना की है, ताकि-

- शिकायत की वास्तविकता सामने आ सके
- प्रशासनिक निर्णयों की पारदर्शिता बनी रहे और जनता का शासन पर विश्वास मजबूत हो।
- 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने के लिए सरकार को इस मामले में स्पष्ट स्पष्टीकरण देना चाहिए।

जन एक्सप्रेस का मत

यह मामला केवल एक अधिकारी के निलंबन और बहाली का नहीं है, बल्कि प्रशासनिक निर्णयों की पारदर्शिता, निवेश वातावरण और शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच नहीं हुई तो भविष्य में यह प्रवृत्ति प्रशासनिक तंत्र और जनहित दोनों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

प्रक्रिया पर भी सवाल

हाल के वर्षों में शिकायत के आधार पर अधिकारियों को निलंबित करना और बाद में बहाल कर देना एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया की तरह दिखने लगा है। लेकिन यदि शिकायतें राजनीतिक, व्यक्तिगत या कॉर्पोरेट हितों से प्रेरित हों, तो यह व्यवस्था का दुरुपयोग भी बन सकती है।

झूठी शिकायतों का खतरा: क्या ईमानदार अधिकारी निर्णय लेने से डरेंगे?

इस पूरे प्रकरण में एक और गंभीर सवाल उभरकर सामने आता है। यदि शिकायत करने वाला व्यक्ति सामने ही नहीं आता, या बाद में यह स्पष्ट हो जाता है कि आरोपों के समर्थन में ठोस साक्ष्य नहीं हैं, तो ऐसी शिकायतों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यदि कोई भी व्यक्ति बिना ठोस आधार के किसी वरिष्ठ अधिकारी पर गंभीर आरोप लगा सकता है और केवल एक शिकायत के आधार पर उसे निलंबित कर दिया जाता है, तो इसका सीधा असर प्रशासनिक निर्णय क्षमता पर पड़ सकता है। प्रशासनिक व्यवस्था में कई बार अधिकारियों को ऐसे कठोर और निर्णायक फैसले लेने पड़ते हैं जो कुछ व्यक्तियों या हित समूहों के हितों के खिलाफ भी हो सकते हैं। ऐसे में यदि झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के माध्यम से अधिकारियों को निशाना बनाया जाने लगे, तो यह पूरी शासन व्यवस्था के लिए चिंताजनक स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस प्रकार की शिकायतों की सत्यता और शिकायतकर्ता की पहचान स्पष्ट न हो, तो भविष्य में ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी भी बड़े और कठोर निर्णय लेने से हिचक सकते हैं। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया की गति धीमी पड़ सकती है और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

जन एक्सप्रेस का मत: झूठी शिकायतों पर भी हो जवाबदेही तय

जन एक्सप्रेस का मानना है कि यदि किसी अधिकारी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए जाते हैं और बाद में वे साक्ष्य के अभाव में समाप्त हो जाते हैं, तो केवल अधिकारी की बहाली पर्याप्त नहीं है। यह भी उतना ही आवश्यक है कि यह स्पष्ट किया जाए कि शिकायत किसने की थी, उसका आधार क्या था और यदि शिकायत झूठी या दुर्भावनापूर्ण साबित होती है तो उसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ भी कार्रवाई सुनिश्चित हो। अन्यथा यह एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत हो सकती है, जिसमें कोई भी व्यक्ति या हित समूह झूठी शिकायतों के माध्यम से अधिकारियों के कामकाज में बाधा डाल सकता है। जन एक्सप्रेस इस प्रकार की प्रवृत्तियों की कठोर निंदा करता है और सरकार से अपेक्षा करता है कि इस पूरे प्रकरण में पूर्ण पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने लाई जाए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों का मनोबल कमजोर न पड़े और जनता का शासन पर विश्वास बना रहे।

देश में तेल और गैस का संकट नहीं

सरकार का दावा, राज्यों को जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच जारी तनाव और होर्मुज क्षेत्र में तेल व गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने की खबरों के बीच भारत में ईंधन संकट की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है।

नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और देश में तेल-गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर बुकिंग या खरीदारी न करने की अपील की।

पेट्रोल व डीजल के उत्पादन पर क्या बताया गया?

संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है और देश पेट्रोल व डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि देश की सभी रिफाइनरियां फिलहाल 100 प्रतिशत या उससे अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं और उनके पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इस वजह से पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है।

देशभर के एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं

एलपीजी आपूर्ति को लेकर शर्मा ने कहा कि देशभर के 25 हजार से अधिक एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के एलपीजी उपलब्ध कराई जा रही है और अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

एलपीजी का घरेलू उत्पादन 30% बढ़ा

उन्होंने बताया कि 5 मार्च की तुलना में रिफाइनरियों में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों को राज्य सरकारों को उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरत के अनुसार प्राथमिकता तय कर उनका वितरण किया जा सके।

'खुद के जाल में फंस रहे आशुतोष ब्रह्मचारी, फिर दिया झूठा हलफनामा'

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के अधिवक्ता डॉ. पीएन मिश्रा ने कहा कि शंकराचार्य और उनके शिष्य पर मुकदमा दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे हैं। वह सफेद झूठ का पुलिंदा न्यायालय के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। कहा कि शंकराचार्य की ओर से इनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने के लिए जल्द ही न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। जिला न्यायालय में सुनवाई के सिलसिले में स्वामी मुकुंदानंद गिरि के साथ प्रयागराज पहुंचे डॉ. मिश्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में शपथ पत्र देकर शंकराचार्य और उनके शिष्य मुकंदानंद का पासपोर्ट जब्द करने की गुहार लगाई है, ताकि वह विदेश न भाग सकें। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. मिश्र बोले- पहली बात कि शंकराचार्य और उनके शिष्य मुकुंदानंद के पास कोई पासपोर्ट नहीं है। दूसरी बात धर्मशास्त्रों में धर्माधीश या शंकराचार्य को देश की सीमा के बाहर जाने पर निषिद्ध किया गया है। वह धर्म प्रचार के लिए विदेश नहीं जा सकते हैं, क्योंकि वह समुद्र को नहीं लांघ सकते हैं।

संसद में एलपीजी सिलेंडर के साथ प्रदर्शन

एलपीजी संकट पर लोकसभा में विपक्ष ने नारेबाजी की, विपक्ष ने दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का नोटिस दिया

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के 5वें दिन, शुक्रवार को भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निलंबित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही एक्शन होगा। लोकसभा में हंगामे का कारण पहले 12 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद दूसरी बार 2 बजे तक फिर से कार्यवाही स्थगित की गई। 2 बजे शुरू हुई कार्यवाही भी केवल 1 घंटा चली। इसके बाद लोकसभा को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। राज्यसभा में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विदेशों में हो रहे घटनाक्रम के कारण हमारे देश में कुछ मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। सरकार जरूरी फंड मुहैया कराने और पूरी तरह तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है। ऐसे समय में विपक्ष को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए, लेकिन वह गैर-जिम्मेदाराना हरकत कर रहा है। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने संसद परिसर में एलपीजी संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इधर, पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि टीएमसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के खिलाफ दोनों सदनों में प्रस्ताव दिया है।

सीतारमण बोलीं, देशहित में साथ आएं सभी विपक्षी दल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 लाख करोड़ का आर्थिक स्थिरीकरण कोष भारत को वित्तीय गुंजाइश देगा, जिससे वह वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके। उन्होंने कहा कि यह कोष एक 'बफर' (सुरक्षा कवच) के रूप में काम करेगा, जो पश्चिम एशिया जैसी मौजूदा अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों से पैदा होने वाले झटकों को झेलने में मदद करेगा। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित में एक साथ आना चाहिए। इस तरह से बात करनी चाहिए, जिससे जनता को भरोसा मिले और उनमें उम्मीद जगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं कि इस देश के नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि, विपक्ष का मानना है कि सदन के वेल में घुसकर नारे लगाना ही उनकी एकमात्र भूमिका है। यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है और एक खेदजनक स्थिति को दर्शाता है। मुझे नहीं पता कि और क्या कहूं।

इस संघर्ष से हमें बहुत नुकसान हुआ: थरूर

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग पर थरूर ने कहा- हमें शांति के लिए एक सकारात्मक और रचनात्मक आवाज बनना चाहिए। इस संघर्ष से हमें काफी नुकसान हुआ है। इसका असर कई देशों, पूरे क्षेत्र, गैस आपूर्ति और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। खाड़ी देशों में रहने वाले करीब 90 लाख भारतीयों की भलाई और सुरक्षा भी इससे प्रभावित हो सकती है। हमारे कई अंतरराष्ट्रीय संबंध भी दांव पर हैं। इसलिए दुनिया के हित में है कि सभी देश मिलकर इस संघर्ष को खत्म करने की कोशिश करें और भारत को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। हम इस क्षेत्र के बहुत करीब हैं और हमारे बहुत से हित इससे जुड़े हुए हैं।

'विपक्ष का नेता नहीं सुधर रहा, न उसके सांसद सुधर रहे'

विपक्ष के हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष का नेता ही नहीं सुधर रहा है, तो उनके सांसद कैसे सुधरेंगे। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में विपक्ष और सरकार के लोग आए थे। प्राइवेट मेंबर बिल सरकार का नहीं है। मेंबर का है ये। विपक्ष के लोग प्राइवेट मेंबर का समय खा रहे हैं। इनका नेता नहीं सुधर रहा है तो इनका एमपी भी नहीं सुधर रहा है। विपक्ष का नेता गिलास-थाली लेकर प्रदर्शन कर रहा है। इनकी हरकतों से जनता नाराज है। इनके कारनामे को जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस में अब कोई नहीं बचा है। कांग्रेस के सारे लगो बिगड़ गए हैं। इनका आचरण बिगड़ गया है।

भारत की विदेश नीति एकतरफा हुई: चिदंबरम

पी चिदंबरम ने कहा कि भारत की विदेश नीति कितनी एकतरफा हो गई है। इसका नया सबूत यह है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव पेश किया, लेकिन अमेरिका और इजराइल के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका और 12 अन्य देशों के समर्थन से पारित हुआ। रूस और चीन ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान नहीं किया। विवेक किसे कहते हैं? कूटनीति क्या है? और एक निष्पक्ष विदेश नीति कैसी होती है?

पंजाब में सिलेंडर लेकर भागते दिखे लोग

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

अठावले बोले- एलपीजी पर राजनीति न करें

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- पीएम मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भरोसा दिलाया है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

देवेगौड़ा बोले घबराने की जरूरत नहीं है

राज्यसभा सदस्य एच.डी. देवेगौड़ा ने कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बड़ा टकराव चल रहा है। घबराने की कोई बात नहीं है, थोड़ी-बहुत कमी जरूर है, लेकिन जिस तरह विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार इन सब बातों पर सफ़ाई नहीं दे रही है, सरकार ने इस पर पूरी तरह से स्थिति साफ कर दी है। विपक्ष हर मुद्दे पर सरकार की कमियां निकालना चाहता है, चाहे उन आरोपों में कोई दम हो या न हो।

मनोज तिवारी बोले, देश में एलपीजी की कमी नहीं

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि देश में गैस और डीज़ल की कोई कमी नहीं है। कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसपी और कांग्रेस के नेताओं के घरों से सिलेंडर ज़ब्त किए जा रहे हैं।

चारधाम यात्रा: अब तक हुए चार लाख से ज्यादा पंजीकरण किसी भी यात्री को आने से नहीं रोकेगी सरकार

जन एक्सप्रेस। चमोली

भराड़ीसैंण। चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों से किसी तरह का कोई रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लिया जा रहा है। अब तक चार लाख 44 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। यह कहना है संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल का। उन्होंने कहा, सरकार यात्रा में आने से किसी यात्री को नहीं रोकेगी। बजट सत्र के दौरान सदन में नियम 58 की सूचना पर बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा, चारधाम यात्रा के मुख्य पड़ाव पर जाम की स्थिति बनी रहती है, यात्रियों के लिए सरकार वैकल्पिक मार्ग नहीं बना पाई है। यात्री पांच से छह घंटे जाम में फंसे रहते हैं। चारधाम में आने वाले यात्रियों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था खत्म हो या फिर रजिस्ट्रेशन के लिए ऑफ लाइन व्यवस्था भी की जाए। वहीं, यात्रा को 24 घंटे के लिए न खोलकर सुबह चार से रात नौ बजे तक खोला जाए। विधायक विक्रम सिंह नेगी ने भी चारधाम यात्रा के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा, यात्रियों की संख्या निर्धारित न की जाए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सरकार संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में यात्रियों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। वर्ष 2001 में जहां यात्रियों की संख्या दस लाख थी, जो अब बढ़कर 2025 में 51 लाख हो चुकी है। यात्रियों के रजिस्ट्रेशन के पीछे सरकार की यह मंशा है कि इससे यात्रा व्यवस्थित होगी। यात्रियों के बारे में जानकारी होने से दुर्भाग्य से यदि कोई दुर्घटना होती है तो उसके बारे में सूचना प्राप्त की जा सकती है।

31 मार्च तक सभी तैयारियां हो जाएंगी पूरी

संसदीय कार्यमंत्री ने कहा, चारधाम यात्रा को लेकर सभी सुविधाएं 31 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। पेयजल के लिए जल संस्थान और सड़कों को लेकर सीमा सड़क संगठन को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। सरकार पूरी यात्रा को व्यवस्थित बनाने और कूड़ा प्रबंधन को लेकर गंभीर है।

सीएम योगी का आज सहारनपुर में संभावित दौरा

जन एक्सप्रेस। सहारनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। शाकंभरी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने के साथ साथ माता शाकुम्भरी देवी के करेंगे दर्शन लेंगे माता रानी का आशीर्वाद। जिलाधिकारी मनीष बंसल सहित जनपद के आला अधिकारियों ने बेहट रोड पर डाला डेरा,मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री आज जिले में पहुंचकर विभिन्न विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण के साथ साथ माता शाकुम्भरी देवी के दर्शन कर सकते हैं और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे,इस संभावित कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार करने में भागदौड़ देखी जा रही है।

ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण: राजनाथ सिंह बोले, योगी जी ने माफिया को सही किया, लोग इनको 'बुलडोजर बाबा' कहते हैं

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर का शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लोकार्पण किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे जनता को समर्पित किया। झूलेलाल पार्क में लोकार्पण समारोह हुआ। यूपी सरकार के कई मंत्री और भाजपा पदाधिकारी भी इसमें शामिल हैं। यह ग्रीन कॉरिडोर कुल 57 किलोमीटर लंबा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, योगी जी को लोग बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया। बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं। नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। कुछ ही दिनों में लखनऊ से कानपुर की यात्रा 35 से 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। यह नया अध्याय होगा। डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। ब्रह्मोस, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी लखनऊ में होगा। ब्रह्मोस से हमने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। अगर उन्होंने दोबारा कभी ऐसा करने का सोचा तो वह इससे कभी उबर नहीं पाएंगे। ब्रह्मोस की टेस्टिंग, इंटीग्रेशन फैसिलिटी का काम अब लखनऊ में होगा। लखनऊ देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का काम हो रहा है। इस महीने के अंत या अप्रैल महीने की शुरुआत में ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट के बीच तय हो सकेगी। सीएम विकास के साथ ही स्वच्छता पर भी ध्यान दे रहे। घर घर से कूड़ा उठाया जा रहा। पहले लोग गोमती में कूड़ा फेंक देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले साल लखनऊ को स्वच्छता में तीसरी रैंक मिल चुकी है, इसके लिए सभी को बधाई।

जमीन से कब्जा हटाकर उसी पैसे का प्रोजेक्ट बनाया गया

सीएम योगी ने कहा, प्रशासन की जिस जमीन पर आक्रमण किया गया था, उसी जमीन से कब्जा हटाकर उसी पैसे का प्रोजेक्ट बनाया गया। इसमें शासन ने प्राधिकरण को पैसा नहीं दिया है। लखनऊ एआई सिटी के रूप में विकसित होगा। सरकार ने इसके लिए भी धन की व्यवस्था कर ली है। दुश्मन को ठिकाने लगाने वाले ब्रह्मोस के इंजीनियर ज्यादातर AKTI, पॉलीटेक्निक और सरकारी कालेजों से हैं। लखनऊ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के रूप में विकसित हो रहा है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई कर सुनी समस्याएं

■ लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व लैपटाप का किया वितरण

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शुक्रवार को विकास भवन के सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जनसुनवाई की जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी शिकायतों के साथ उपस्थित हुई। जनसुनवाई के दौरान प्रतिभा कुशवाहा ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, कार्यस्थल पर शोषण, संपत्ति विवाद, मानसिक उत्पीड़न, पेंशन व आवास योजना का लाभ न मिलने जैसे गंभीर मामलों को व्यक्तिगत रूप से सुना और प्रत्येक शिकायतकर्ता को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महिला आयोग पूरी तरह समर्पित है। प्रतिभा कुशवाहा ने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं और उनका सशक्तिकरण तभी संभव है जब उन्हें न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले। जनसुनवाई के दौरान कुछ मामलों में मौके पर ही समाधान भी किया गया। कई मामलों में संबंधित पुलिस थानों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वहीं, लंबित मामलों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई। उन्होने कहा कि आयोग का उद्देश्य केवल सुनवाई करना नहीं बल्कि पीड़िता को न्याय दिलाना है। जनसुनवाई के अंत में प्रतिभा कुशवाहा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों पर सतत निगरानी रखी जाए और महिलाओं की सुरक्षा व अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान महिला आयोग की सदस्य ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पांच लाभार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) योजनान्तर्गत पांच लाभार्थियों को लैपटाप का वितरण, बाल विकास एवं पुष्टाहार के पांच लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया। जनसुनवाई के उपरान्त महिला आयोग की सदस्य ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि पिछले तीन महीनों में महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में की गई कार्रवाई और उनके निस्तारण की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है, इसलिए ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। बैठक में शिक्षा विभाग को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी विद्यालयों में मिड-डे-मील के अंतर्गत बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए विद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि बच्चों को स्वच्छ और शुद्ध भोजन उपलब्ध हो सके। इसके अलावा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया गया कि जहां-जहां पिंक शौचालयों की आवश्यकता है वहां उनकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा मिल सके। सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित करते हुए महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि ईंट भट्ठों पर कार्य करने वाली महिलाओं के लिए भी शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें कार्यस्थल पर किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर एसडीएम सदर नैन्सी सिंह, सीओ सदर करिश्मा गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी राम बाबू विश्वकर्मा, बाल संरक्षण अधिकारी अभय शुक्ला मौजूद रहे।

शीघ्र शुरू होगा झारखंडी ओवर ब्रिज का निर्माण : पलटू राम

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के अति व्यस्ततम क्षेत्र झारखंडी रेलवे स्टेशन के बगल एन एच 730 पर ओवर ब्रिज का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। विधायक सदर पलटू राम ने 13 मार्च को प्रदेशके मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को धन्यवाद देते हुए बताया कि अति शीघ्र झारखण्डी रेलवे ओवरब्रिज का कार्य प्रारंभ होगा । उन्होंने 13 मार्च 2026 को लखनऊ स्थित 5 कालीदास मार्ग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर जनपद बलरामपुर के विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में स्थित गोंडा बलरामपुर रेल सेक्शन के अंतर्गत बहुप्रतीक्षित झारखंडी रेलवे स्टेशन के समीप समपार पर 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु (ऋहृक्क) के निर्माण के संबंध में पत्र सौंपकर जनहित में शीघ्र कार्यवाही करने का अनुरोध किया। इस अति महत्वपूर्ण मांग पर मुख्यमंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को अति शीघ्र स्वीकृति हेतु निर्देशित किया। यह ओवर ब्रिज जिले की जनता के लिए लाइफ लाइन का काम करेगा ।

नेपाल में एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर बड़ा फैसला

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

■ बढ़ती मांग और वैश्विक हालात के बीच 7.1 किलो सिलेंडर आधी कीमत पर देने की घोषणा

मित्र राष्ट्र नेपाल में बढ़ती मांग और वैश्विक परिस्थितियों के बीच एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर नेपाल सरकार ने अहम निर्णय लिया है। सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल आयल निगम लिमिटेड ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए 7.1 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर रियायती दर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। निगम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हाल के महीनों में काठमांडू घाटी सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में एलपीजी गैस की मांग लगातार बढ़ रही है। निगम नियमित रूप से मांग के अनुरूप गैस का आयात और वितरण कर रहा है, लेकिन पिछले दो-तीन महीनों से राजधानी क्षेत्र में मांग सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। प्रेस नोट में बताया गया है कि मध्य-पूर्व में जारी युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों और एलपीजी की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका असर नेपाल पर भी पड़ा है। इसके अलावा नेपाल को गैस आपूर्ति करने वाले पड़ोसी देश भारत में भी गैस आपूर्ति और वितरण से जुड़ी चुनौतियों की खबरें सामने आई हैं। इन परिस्थितियों के चलते नेपाल में उपभोक्ताओं द्वारा आवश्यकता से अधिक गैस खरीदकर भंडारण करने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। इसे नियंत्रित करने और सभी उपभोक्ताओं तक समान रूप से गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम ने विशेष कदम उठाए हैं। इसी क्रम में 13 मार्च से अगली सूचना तक 7.1 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को प्रति सिलेंडर 955 नेपाली रुपये की रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाएगा।

निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराकर अतिरिक्त गैस की खरीदारी और भंडारण न करें तथा अपनी आवश्यकता के अनुसार ही एलपीजी गैस खरीदें, ताकि सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए जनपद में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

जन एक्सप्रेस । अमेठी

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से जनपद अमेठी में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है।इस अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी किशोरियों को निशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी।जनपद को इस टीकाकरण अभियान के लिए वैक्सीन की आपूर्ति प्राप्त हो चुकी है।और स्वास्थ्य विभाग ने इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अंशुमान सिंह ने बताया कि यह अभियान एक विशेष राष्ट्रीय पहल के तहत चलाया जा रहा है।इसके अंतर्गत किशोरियों को 'गार्डासिल' नामक क्वाड्रिवैलेंट एचपीवी वैक्सीन की एक खुराक दी जाएगी,जो एचपीवी के टाइप 16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करती है।ये दोनों प्रकार सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारण माने जाते हैं।इसके अतिरिक्त यह वैक्सीन टाइप 6 और 11 से भी बचाव करती है।उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण पूरी तरह निःशुल्क

और स्वैच्छिक होगा। अभियान का शुभारंभ तेरह मार्च शुक्रवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय गौरीगंज में किया गया।यहां प्रत्येक कार्यदिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी किशोरियों को उनके अभिभावकों की सहमति के बाद एचपीवी टीका लगाया जाएगा। जिला प्रतिरक्षणअधिकारी डॉ.महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में लगभग 24 हजार किशोरियों को इस टीकाकरण अभियान के तहत शामिल किया जाएगा।शासन से प्राप्त वैक्सीन को कोल्ड चेन में सुरक्षित रखा गया है। टीकाकरण के लिए किशोरियों का पंजीकरण कराया जाएगा।और कोविड टीकाकरण की तरह स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था भी की जाएगी।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भारत में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर वर्ष बड़ी संख्या में महिलाएं इस बीमारी से प्रभावित होती हैं।ऐसे में एचपीवी टीकाकरण अभियान से किशोरियों को भविष्य में इस गंभीर बीमारी से बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराएं।

विशेषाधिकार समिति ने कहा जनप्रतिनिधियों के प्रति प्रोटोकाल शिष्टाचार का हो पालन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति की बैठक गोविन्द नारायण शुक्ल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि जैसे विधानसभा में चलती है, उसी तरह यह मिनी सदन के रूप में यहां चलेगी। इस मिनी सदन में उन्होंने जानकारी ली कि क्या जनपद के सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के प्रति प्रोटोकॉल शिष्टाचार का पालन किया जा रहा है। जिस पर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट, महोबा, बांदा व हमीरपुर द्वारा बताया गया कि सभी अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के प्रति प्रोटोकॉल शिष्टाचार का पालन किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों के भ्रमण संबंधी सूचना लिखित मौखिक प्राप्त होने पर वी.आई.पी. सेल के माध्यम से सुरक्षा उपलब्ध कराकर प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है कि जनप्रतिनिधियों का फोन फीड कर लें। उनकी काल तत्काल रिसीव करें। यदि काल किसी कारणवस छूट जाए तो कॉल बैक भी करें।

जनप्रतिनिधियों का प्रोटोकॉल और पुलिस की कार्यशैली

बैठक की शुरुआत में सभापति गोविंद नारायण शुक्ल ने अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के प्रति अपनाए जा रहे शिष्टाचार और प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि अक्सर शिकायतें मिलती हैं कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन रिसीव नहीं करते। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के मोबाइल नंबर अपने फोन में फीड करें और उनकी कॉल तत्काल रिसीव करें। यदि किसी अपरिहार्य कारण से कॉल छूट जाए, तो तत्काल कॉल बैक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वीआईपी सेल के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के भ्रमण की सूचना मिलने पर सुरक्षा और प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन हो। पुलिस विभाग की समीक्षा के दौरान चित्रकूट, महोबा, बांदा और हमीरपुर के पुलिस अधीक्षकों ने बताया कि कानून-व्यवस्था सामान्य है और लूट, डकैती व वाहन चोरी जैसे अपराधों में पिछले वर्षों की तुलना में गिरावट आई है। हालांकि, सभापति ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कागजी आंकड़ों से इतर धरातल पर अभी और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने और लेखपालों द्वारा पारिवारिक बंटवारे व दाखिल-खारिज की फाइलों को लटकाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विकास कार्यों की गुणवत्ता और भ्रष्टाचार पर प्रहार

विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभापति ने लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। चित्रकूट में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत 57 करोड़ रुपये के बजट के सापेक्ष हुए कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्होंने सड़कों की खराब गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को निर्देशित किया कि वर्ष 2025-26 में जितने भी टेंडर हुए हैं, उनकी जांच के लिए एक विशेष समिति गठित की जाए। यह समिति एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रेषित करेगी कि सड़कों के निर्माण में मानकों का पालन हुआ है या नहीं। सभापति ने विशेष रूप से कामदगिरी परिक्रमा मार्ग की स्वच्छता और वहां बन रहे नाले की खराब गुणवत्ता का मुद्दा उठाया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यह कार्य भगवान के नाम पर हो रहा है, इसमें भ्रष्टाचार या लापरवाही अक्षम्य है। जिलाधिकारी को तत्काल इसकी गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्युत आपूर्ति और किसानों की समस्याएं

गर्मी के मौसम को देखते हुए विद्युत विभाग को विशेष हिदायत दी गई। सभापति ने कहा कि वर्तमान सरकार में ट्रांसफार्मर जलने के 24 घंटे के भीतर उसे बदलने की व्यवस्था है, जिसे हर हाल में लागू रखा जाए। उन्होंने विजिलेंस टीमों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बिजली कनेक्शन के समय मीटर न लगाना और बाद में चेकिंग के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान करना गलत है। उन्होंने दो किलोवाट से ऊपर के कमर्शियल कनेक्शनों पर डाले गए छापों की सूची विवरण सहित मांगी है। किसानों के मुद्दे पर सिंचाई विभाग और नलकूप विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कोई भी नलकूप खराब न रहे। नहरों की सिल्ट सफाई समय पर हो ताकि पानी टेल (अंतिम छोर) तक पहुंचे। सभापति ने स्पष्ट किया कि किसानों को पानी के लिए भटकना न पड़े, यह प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

राजस्व, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्देश

राजस्व विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जनपद में दाखिल-खारिज का निस्तारण 45 दिनों के भीतर किया जा रहा है। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे की शिकायतों को भी गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग के संबंध में सभापति ने जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों के जीपीएफ और अन्य देयकों के भुगतान में होने वाली देरी को खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण हैं, उन्हें अपने हक के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रहे और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में साइबर अपराध की बढ़ती चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में साइबर सेल के माध्यम से लगभग 38 प्रतिशत धनराशि रिफंड कराई गई है, जिस पर समिति ने साइबर सेल को और सशक्त करने तथा विशेष भर्ती के लिए शासन स्तर पर वार्ता करने का आश्वासन दिया।

नवाचार और विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प

बैठक के समापन पर सभापति ने चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से बैठक में परोसे गए मिलेट्स (श्री अन्न) के व्यंजनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक जनपद एक उत्पाद और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने वाला एक अच्छा नवाचार है। उन्होंने कहा कि हम सभी का लक्ष्य विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत बनाना है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि उन्हें सेवा का जो अवसर ईश्वर ने दिया है, उसे पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाएं। अंत में, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने सभापति और समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों और मार्गदर्शन का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

अब घर बैठे मिलेगी गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी, उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा

■ 0 खाद्य एवं रसद विभाग के निर्देश पर जनपद में गैस एजेंसियों को व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

जन एक्सप्रेस । उरई

खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जनपद में घरेलू गैस उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को और अधिक सुव्यवस्थित किया जा रहा है। प्रमुख सचिव, खाद्य तथा रसद विभाग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जनपद के सभी गैस एजेंसियों एवं वितरकों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं द्वारा की जाने वाली ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी समयबद्ध रूप से की जाए।

निर्देशों के अनुसार संबंधित एलपीजी कम्पनी (आईओसी, एचपीसी, बीपीसी) के बिक्री अधिकारियों से अपेक्षा है कि वह अपने-अपने संबंधित गैस एंजेसी, वितरकों से, उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी प्रत्येक गैस एजेंसी को अपने क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिना किसी असुविधा के सिलेंडर उपलब्ध कराना होगा। गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं के घर तक होम डिलीवरी के माध्यम से ही गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को एजेंसी कार्यालय तक जाने की आवश्यकता न पड़े। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र की गैस एजेंसियों एवं वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करें तथा समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित कराएं। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ता अपने निवास स्थान से ही ऑनलाइन बुकिंग कर निर्धारित समयावधि में होम डिलीवरी के माध्यम से गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल को भी सुचारु रूप से संचालित है, ताकि उपभोक्ताओं को सरल और पारदर्शी सेवा उपलब्ध हो सके।

मण्डलायुक्त, रोल प्रेक्षक ने मतदाता सूची विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण समीक्षा की

■ 0 फार्म-6, 7 व 8 की सुपर चेकिंग कर सत्यापन, बीएलओ व मतदाताओं से वर्चुअल संवाद

जन एक्सप्रेस । उरई

जालौन। मण्डलायुक्त, रोल प्रेक्षक विमल कुमार दुबे ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए फार्म-6, 7 एवं 8 से संबंधित प्रकरणों की सुपर चेकिंग कर सत्यापन किया। समीक्षा के दौरान उन्होंने प्राप्त आवेदनों के निस्तारण, अभिलेखों तथा सत्यापन प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वर्चुअल माध्यम से बीएलओ से संवाद कर जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा कुछ मतदाताओं से सीधे वार्ता कर फार्म से संबंधित प्रकरणों का सत्यापन भी किया।

मण्डलायुक्त, रोल प्रेक्षक ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची को पूर्णतः त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाए रखने के लिए प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण किया जाए तथा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फार्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, फार्म-7 के द्वारा अपात्र अथवा मृत मतदाताओं के नाम विलोपित करने तथा फार्म-8 के माध्यम से संशोधन से संबंधित प्रकरणों का स्थलीय सत्यापन के उपरांत ही निस्तारण किया जाए, जिससे कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह सके। समीक्षा के दौरान कुछ अधिकारियों द्वारा बेहतर कार्य किए जाने की सराहना भी की गई, जबकि जिन अधिकारियों की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई उन्हें नोटिसों की सुनवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि शेष नोटिसों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप समस्त कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है, इसलिए इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी इसे पूरी जिम्मेदारी व गंभीरता के साथ संपादित करें। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सहायक एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

मलकापुर लूटकांड का माल खरीदने वाला सर्राफ कारोबारी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

एक माह पूर्व मलकापुर में डकैती डालकर लूटा गया माल खरीदने वाले सर्राफा कारोबारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के मलकापुर मोहल्ले में 10 फरवरी की रात्रि लगभग 2:00 बजे अनीश खां पुत्र नासिर खान के घर में घुसकर पांच नकाबपोश बदमाशों ने लूटपाट की थी जिसमें ?30000 की नकदी और जेवर बदमाश लूट ले गए। इस संबंध में पहले ही दो अभिक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय ने शुक्रवार को शाम 4:00 बजे बताया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शाहबाद पुलिस, स्वाट सर्विलांस एवं एसओजी टीम को

लगाया गया था। टीम ने मुकीम पुत्र दीन मोहम्मद निवासी पशुपतिनाथ मंदिर जनपद बरेली को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से ?5000 की नगदी एक मोबाइल, एक बाइक बरामद हुई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया अभियुक्त ने स्वीकार किया है कि उसकी बरेली में सराफा की दुकान है और वह चोरी के आभूषणों की खरीद फरोख्त करता है। शाहाबाद की घटना में लूटे गए आभूषण खरीदने की बात को स्वीकार किया है। पकड़े गए सराफा कारोबारी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हरदोई के हरपालपुर क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहे अवैध पैथोलॉजी व क्लीनिक

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई जनपद के हरपालपुर सहित समूचे कटियारी इलाके में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते अवैध रूप से संचालित तमाम मेडिकल स्टोर,पैथोलॉजी लैब, क्लीनिक और छोटे अस्पताल लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। क्षेत्र में लगभग एक दर्जन से अधिक पैथोलॉजी लैब, क्लीनिक और अस्पताल बिना डिग्री और बिना रजिस्ट्रेशन के राम भरोसे संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इससे बेखबर बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कस्बे सहित लमकन,ककरा,खसौरा, अजतूपुर,बेडीजोर,पलिया,चौंसार, दहेलिया,सहित कई स्थानों पर अवैध रूप से मेडिकल स्टोर व क्लीनिक, पैथोलॉजी और अस्पताल चल रहे हैं। इन संस्थानों में न तो मानक पूरे किए जा रहे हैं और न ही संचालकों के पास मान्य डिग्री या रजिस्ट्रेशन है।कुछ स्थानो पर बड़े बड़े बोर्ड लगाकर क्षेत्र की भोली भाली जनता को गुमराह करके इलाज के नाम पर भर्ती करके उनसे मनमाना पैसा वसूला जाता है।यही नही अल्ट्रासाउंड के नाम पर बिना डिग्री डिप्लोमा के फर्जी रिपोर्ट बनाकर मरीजो को थमाने के भी आरोप है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इन अवैध क्लीनिकों में गलत जांच और इलाज के कारण कई बार मरीजों की हालत बिगड़ जाती है और घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करता नजर आता है।आरोप है कि जब भी विभाग की टीम कार्रवाई के लिए पहुंचती है तो कुछ समय के लिए क्लीनिक बंद कर दिए जाते हैं या फिर संचालक नाम बदलकर दोबारा वही कारोबार शुरू कर देते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के पांचवे दिन हुए विभिन्न कार्यक्रम

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के एमएलके कालेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के पांचवे दिन शुक्रवार की शुरुआत योगाभ्यास के साथ कराया गया। साथ ही दिन भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जानकारी के अनुसार 13 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना एमएलके पीजी कॉलेज द्वारा आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन की शुरुआत योगाभ्यास के साथ किया गया । प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के सरोजनी नायडू इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश शुक्ल तथा कल्पना चावला इकाई के पदाधिकारी डॉ अनामिका सिंह के संयोजकत्व में प्राथमिक विद्यालय बिजलीपुर प्रथम में 09 मार्च से चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन प्रथम सत्र में योगाभ्यास डॉ स्वदेश भट्ट विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग ने स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं को विभिन्न योगासन जैसे- ताड़ासन, त्रियक ताड़ासन, कटी चक्रासन, वृक्षासन, शशक आसान, भुजंगासन, व्रजासन, नाड़ी शोधन, स्वास ध्यान कराया । साथ ही स्वयंसेवक व स्वयं सेविकाओं को शपथ दिलाया कि वे खुद योगाभ्यास करेंगे तथा अपने आस पास के लोगों को भी योगाभ्यास कराएंगे। योगाभ्यास में काजल, शिवा और सलोनी को प्रथम पीयूष तथा आदर्श को द्वितीय, अनिमेष एवं स्नेहा गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ ।इससे पूर्व कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ । सरस्वती वंदना अंजली तथा विभा ने प्रस्तुत किया । स्वागत गीत अनन्या तथा कोमल ने प्रस्तुत किया। लक्ष्य गीत अल्का तथा पिंकी ने प्रस्तुत किया तथा रिपोर्ट विजय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश शुक्ल तथा डॉ अनामिका सिंह ने मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का परंपरागत ढंग से स्वागत किया। डॉ शुक्ल ने स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं से कहा कि हमारे जीवन में योग का विशेष महत्व है । हम प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते है।

सभी देशों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत...

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर... पढ़ें पेज 12 पर...

सामाजिक परिवर्तन दिवस पर बोले राहुल गांधी, अगर नेहरू जी होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। जहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कांशीराम जयंती के अवसर पर आयोजित सामाजिक परिवर्तन दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांशीराम जी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीराम जी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीराम जी कभी सफल न होते। उन्होंने कहा कि अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते और अब भाजपा ने सरकार के 85 प्रतिशत हिस्से की अनदेखी की है। राहुल गांधी ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में देख लीजिए, कार्पोरेट इंडिया में देख लीजिए, बड़ी-बड़ी कंपनियों के टॉप मैनेजमेंट की सूची निकालकर देख लीजिए आपको दलित, पिछड़ा और आदिवासी कहीं नहीं मिलेगा। किसी प्राइवेट अस्पताल में जाकर देख लीजिए। डॉक्टरों के नाम पढ़िए आपको एक दलित, पिछड़ा और आदिवासी नहीं मिलेगा। वहीं, मनरेगा मजदूरों की सूची निकाल लीजिए वहां पर 85 प्रतिशत दलित और पिछड़े मिलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार में दलित, आदिवासी और ओबीसी के लिए मौके कम किए जा रहे हैं। इंटरव्यू से बच्चों को निकाला जा रहा है। उन्हें पब्लिक सेक्टर में मौका नहीं मिल पाता है। हम सभी की बराबरी चाहते हैं।

'पीएम मोदी संविधान की विचारधारा को नहीं मानते'

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान में हमारे देश के हजारों साल की विचारधारा है। इसमें सावरकर की विचारधारा नहीं है। गोडसे की विचारधारा नहीं है। इसलिए वो लोग इसे नहीं मानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कह लें लेकिन वो संविधान की विचारधारा को नहीं मानते हैं। गांधी जी, आंबेडकर जी और कांशीराम जी ने बहुत मुश्किलें झेली पर वो कभी कंप्रोमाइज्ड नहीं हुए जबकि मोदी जी तो कंप्रोमाइज्ड हैं। हमने उन्हें पकड़ लिया है। हमने नरेंद्र मोदी को साइकोलॉजिकली खत्म कर दिया है। वो अमेरिका के दबाव में हैं। वो अब अमेरिका का काम कर रहे हैं।

लायंस क्लब का सांस्कृतिक समारोह

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 321 बी वन द्वारा गोल्फ सिटी में अवध और बृज की होली गीत नृत्य से सुसज्जित सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें लब्ध प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ ही क्लब के अनेक महिला पुरुष सदस्यों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह की अध्यक्षता क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन डॉ आरसी मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री उपस्थित रहे। लायंस क्लब के कैबिनेट सचिव विनीत श्रीवास्तव ने संचालन किया। प्रसिद्ध स्तर पर प्रतिष्ठित तुषार राणा ने मयूर नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पुष्पलता अग्रवाल, मंजू सक्सेना, विशाल सिंह, बीएम श्रीवास्तव,प्रदीप अग्रवाल, नवीन झींगरान, सविता चौधरी, सहित बड़ी संख्या में लायंस क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

'30 हजार मांगने की सजा': दलित युवक को घर बुलाकर दी जातिसूचक गालियां, एफआईआर दर्ज

- पैसे मांगने पर दबंग की धमकी 'दोबारा पैसे मांगे तो जान से मार देंगे'
- चार पहिया वाहन में लगाया था पैसा, आरोपी ने गाड़ी एक्सचेंज कर हड़पी रकम, एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

हरदोई (बेनीगंज)। चार पहिया वाहन में लगाए 30 हजार रुपये वापस मांगना एक दलित युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि दबंग ने युवक को अपने घर बुलाकर जातिसूचक गालियां दीं, और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम धरौली निवासी वीरेंद्र उर्फ करन सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीमनगर मढ़िया निवासी आशुतोष तिवारी के साथ मिलकर उसने एक चार पहिया वाहन खरीदा था, जिसमें उसने 30 हजार रुपये लगाए थे। आरोप है कि आशुतोष तिवारी ने विश्वास में लेकर वाहन अपने नाम करा लिया। पीड़ित के मुताबिक कुछ समय बाद आरोपी ने बिना जानकारी दिए वाहन को एक्सचेंज कर दिया। जब उसे इसकी जानकारी हुई तो उसने अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन आरोपी टालमटोल करता रहा।

घर बुलाकर की मारपीट

तहरीर के अनुसार 29 जनवरी की रात करीब आठ बजे आरोपी ने वीरेंद्र को अपने घर बुलाया। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उसने जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए गाली-गलौज कर दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि अगर दोबारा पैसे मांगे तो जान से मार देंगे। साथ ही यह भी कहा कि उस पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

पहले शिकायत, फिर बढ़ी दबंगई

पीड़ित के अनुसार उसने पहले भी इस मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की थी, लेकिन उस समय केवल शांति भंग की कार्रवाई कर मामला निपटा दिया गया। इसके बाद आरोपी और आक्रामक हो गया और लगातार धमकियां देने लगा।

30 हजार रुपये वाहन खरीद में लगाए

- आरोपी ने वाहन अपने नाम कराकर एक्सचेंज कर दिया
- पैसे मांगने पर घर बुलाकर जातिसूचक गालियां दीं।

एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं –

- 2017: थाना शाहाबाद हरदोई – धारा 384, 420
- 2015: थाना पीजीआई लखनऊ – धारा 379, 411
- 2020: थाना मिश्रिख सीतापुर – धारा 120बी, 384, 386, 419, 420, 468 आदि
- लखनऊ के काकोरी थाने में भी मुकदमा दर्ज बताया गया है।

एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में केस

पुलिस ने आरोपी आशुतोष तिवारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 115(2), 351(3), 352 तथा एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1a) और 3(1)(ध) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सीओ हरियावां को सौंपी गई है।

गैस सिलिंडर के लिए लोग रो रहे, आपूर्ति के जिम्मेदार सो रहे
जमकर चल रहा कालाबाजारी का धंधा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

केंद्र सरकार ने देश में गैस उत्पादन बढ़ाने के आदेश दिए हैं। इधर, अफसर भी कह रहे हैं कि प्रदेश में गैस सिलिंडर, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। इन सब के बावजूद शहर में हर गैस एजेंसी पर बुकिंग कराने और सिलिंडर लेने के लिए मारामारी की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, गैस किल्लत का माहौल बनने के साथ मुनाफाखोर सक्रिय हो गए हैं, जिससे कालाबाजारी का धंधा जोरों पर है। सिलिंडरों से गैस चोरी का धंधा भी चार गुना तक बढ़ गया है। इन सब के बावजूद ऐसे लोगों पर नकेल लगाने के लिए जिम्मेदार आपूर्ति विभाग की फौज आराम से सो रही है। सूत्र बताते हैं कि एजेंसियों के गोदाम सिलिंडर से भरे हुए हैं, इसके बावजूद डिलीवरी नहीं दी जा रही है। इसके पीछे बुकिंग न होने का बहाना है। जो सिलिंडर वितरण के लिए गोदाम से निकल भी रहे हैं तो उन्हें बीच में गुप्त ठिकानों पर ले जाकर उसमें से गैस चोरी की जा रही है। आपूर्ति विभाग न गैस गोदामों में स्टॉक की जांच कर रहा है, न जमाखोरों के ठिकानों की पड़ताल। वितरण के लिए जा रहे सिलिंडरों की रेंडम जांच भी नहीं हो रही। घरेलू सिलिंडरों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर भी जिम्मेदारों ने आंखें बंद कर रखी हैं, जिसका फायदा गैस एजेंसी के वितरण नेटवर्क से जुड़े ठेकेदार कालाबाजारी करके उठा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर हेल्पलाइन नंबर भी जारी नहीं किया गया है, जिस पर लोग शिकायत दर्ज करा सकें।

सर्वर पर दस गुना बढ़ा बुकिंग का बोझ

तेज उद्योग के राज्य स्तरीय समन्वयक संजय भंडारी का कहना है कि ऑयल कंपनियों के सर्वर पर आम दिनों के मुकाबले इस वक्त सिलिंडर बुकिंग का बोझ दस गुना बढ़ गया जिससे सॉफ्टवेयर सिस्टम प्रभावित हुआ है। यही वजह है कि ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। ऐसे में गोदाम में गैस सिलिंडर का स्टॉक होने पर भी ग्राहकों को आपूर्ति नहीं मिल पा रही। 24 घंटे के भीतर बुकिंग सिस्टम बेहतर हो जाएगा। इसके लिए तकनीकी टीम काम कर रही है।

कालाबाजारी के धंधे पर अंकुश नहीं

जब से गैस सिलिंडरों की किल्लत शुरू हुई, तब से कालाबाजारी का धंधा जोरों पर है। तमाम गोदाम और गोपनीय जगहों पर घरेलू सिलिंडर से गैस निकालकर 19 किलो के व्यावसायिक सिलिंडर तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें 4000 रुपये तक बेचा जा रहा है। मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद भी आपूर्ति विभाग ने गैस चोरी करने वालों और कालाबाजारी के खिलाफ कोई ठोस मुहिम शुरू नहीं की है।

बुकिंग के सिलिंडरों की हेराफेरी

गैस एजेंसियों ने ग्राहक के घर तक सिलिंडर की आपूर्ति करने के लिए ठेकेदारों को नियुक्त कर रखा है। ये ठेकेदार बुकिंग के 100 सिलिंडर गोदाम से लेकर जाते तो हैं, लेकिन इसमें से 30 से 40 मनमाने दाम में बेच रहे हैं। जिन उपभोक्ताओं के घर सिलिंडर नहीं पहुंच रहे, उनकी शिकायत पर कार्रवाई भी नहीं हो रही।

ये हो जाएं इंतजाम तो दूर हो जाए संकट

शहर में विभिन्न कंपनियों की करीब 150 गैस एजेंसियां हैं। इनके गोदाम में स्टॉक की नियमित जांच होनी चाहिए।

- बुकिंग वाले सिलिंडरों की आपूर्ति बैकलॉग को अभियान चलाकर पूरा कराया जाए जिससे लोगों के मन से संकट का भय दूर हो।
- वितरण करने वाले डिलीवरीमैन के पास मौजूद सिलिंडरों की संख्या, उनमें गैस के वजन आदि की रेंडम जांच हो।
- होटल, रेस्टोरेंट, पटरी दुकानदारों, खानपान सामग्री निर्माण इकाइयों के यहां घरेलू सिलिंडर के व्यावसायिक इस्तेमाल की जांच कर कड़ी कार्रवाई हो।
- पुलिस तंत्र की सहायता से गैस चोरी एवं सिलिंडर की अवैध रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ अभियान चले।

राजनाथ सिंह से मिला सिंधी समाज, भगवान झूलेलाल जी की जयंती पर सार्वजनिक छुट्टी घोषित करने की रखी मांग

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को सिंधी समाज के लोग सांसद एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मिले। समाज के लोगों ने अंगवस्त्र पहनाकर सांसद का स्वागत किया। उन्होंने भगवान झूलेलाल जी की जयंती पर सार्वजनिक छुट्टी घोषित करने की मांग रखी। इस मौके पर चेट्टी चंद मेला कमेटी व सिंधु सभा के पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि 20 मार्च को देश भर में भगवान झूलेलाल जी की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। देश के सभी बीजेपी शासित राज्यों में इस दिन छुट्टी रहती है। यूपी में छुट्टी स्थगित है। यहां भी घोषित की जानी चाहिए। इसके अलावा झूलेलाल वाटिका में स्वागत द्वार के लिए जल्द ही जगह चिह्नित करके बताने की बात कही। ताकि इसका काम शुरू हो सके। इसके लिए 46 लाख रुपये का फंड जारी हो चुका है। इस दौरान सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, अनिल बजाज, चेट्टी चंद मेला कमेटी अध्यक्ष रतन मेघानी, महामंत्री संजय जसवानी, सिन्धु सभा के कोषाध्यक्ष श्याम कृषनानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुनीत लाल चंदानी, घनश्याम दास सहित मौजूद अन्य लोगों ने सांसद को मांग पत्र सौंपा। इस मौके पर मेला कमेटी के अशोक मोतियानी, रतन मेघानी और संजय जसवानी ने सिन्धी अकादमी का बजट दो करोड़ किए जाने पर भी चर्चा की। यह मुलाकात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई। इस दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक मुकेश शर्मा, विधायक योगेश शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अखिलेश यादव बोले, 'अफवाहजीवी है भाजपा, गैस की कमी को स्वीकार कर ले तो जनता खुद सहयोग करेगी'

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी में रसोई गैस की किल्लत को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अफवाहजीवी है। भाजपा की सरकार खुद अफवाह फैला रही है कि गैस की कहीं कोई कमी नहीं है जबकि हर जिले में कमी को देखा जा रहा है। अगर सरकार गैस की कमी को स्वीकार कर ले तो जनता खुद सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि गैस लापता हो गई है। लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा, गोरखपुर, वाराणसी और आगरा सहित अलग-अलग जिलों में गैस के लिए लगी लाइनें सोशल मीडिया पर नजर आ रही हैं। ऑनलाइन बुकिंग हो नहीं पा रही है। बुकिंग करने पर एरर दिखा रहा है। साफ्टवेयर से कौन खिलवाड़ कर रहा है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसे कोई कैसे छिपा सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग गांव में रहते हैं वो चूल्हे पर खाना बना सकते हैं पर जो लोग अपार्टमेंट में रह रहे हैं वो क्या करेंगे। ये संकट सरकार ने पैदा किया है।

अमेठी प्रकरण की सुनवाई में उठा प्रशासनिक दबाव का मुद्दा, एसडीएम ने कोर्ट में जताई मजबूरी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

अमेठी। Allahabad High Court की लखनऊ पीठ में अमेठी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। अदालत के निर्देश पर पेश हुई गौरीगंज तहसील की एसडीएम Preeti Tiwari ने सुनवाई के दौरान प्रशासनिक दबाव की बात कही।मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति Jaspreet Singh की अदालत में हो रही थी। अदालत ने पहले ही आदेश दिया था कि संबंधित एसडीएम व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मामले से जुड़े रिकॉर्ड और हलफनामा प्रस्तुत करें। सूत्रों के अनुसार अदालत में अपनी बात रखते हुए एसडीएम प्रीति तिवारी ने कहा कि वह किस तरह के दबाव में काम करती हैं, यह वही जानती हैं। उन्होंने संकेत दिया कि जिलाधिकारी और भाजपा के एक एमएलसी की ओर से लगातार दबाव बनाया जाता है, जिसके कारण कई बार प्रशासनिक कार्य करना कठिन हो जाता है।यह मामला रिट-सी संख्या 2265/2026 ओम प्रकाश व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य से संबंधित है। अदालत ने इस प्रकरण में पहले दिए गए अंतरिम आदेश को जारी रखते हुए संबंधित दस्तावेज रिकॉर्ड पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम के इस बयान के बाद प्रशासनिक तंत्र पर राजनीतिक दबाव को लेकर नई बहस छिड़ गई है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी Alankar Agnihotri के इस्तीफे के बाद भी इसी तरह के आरोप चर्चा में आए थे, जिसमें उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव में काम कराने की बात कही थी।अदालत में उठे इस मुद्दे ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों पर बढ़ता दबाव अब न्यायालय तक पहुंचने लगा है। फिलहाल इस मामले पर प्रशासन और सरकार की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है, जबकि अदालत की अगली सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

कृषि मंत्री ने की योजनाओं की समीक्षा, समय से पूर्ण करें लक्ष्य

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। कृषि भवन में बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं के प्राविधान, स्वीकृति एवं व्यय के ताजा आंकड़े प्रस्तुत किए गए। समीक्षा में पाया गया कि विभाग ने 12 मार्च 2026 तक कुल 4,32,284.44 लाख का व्यय कर विकास कार्यों को गति दी है, जो स्वीकृत धनराशि का 81.10 प्रतिशत है। बैठक में आंकड़ों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि राज्य सरकार की योजनाओं राज्य योजनाओं में प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा है। इन योजनाओं के लिए स्वीकृत 3,57,809.30 लाख के सापेक्ष3,18,095.40 लाख का व्यय किया जा चुका है, जो 88.90 प्रतिशत की उपलब्धि दर्शाता है। विशेष रूप से प्रमाणित बीजों पर अनुदान, वैज्ञानिक खेती और निजी नलकूपों को विद्युत आपूर्ति जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में 100 प्रतिशत धनराशि का उपयोग सुनिश्चित किया गया है।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 'उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम' और 'आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना' जैसी दूरगामी योजनाओं का लाभ धरातल पर पहुंच रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवशेष धनराशि का उपयोग 31 मार्च तक पूर्ण कर लिया जाए ताकि आगामी वित्तीय वर्ष के लिए प्रदेश को और अधिक बजट आवंटित हो सके। केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर भी चर्चा की गई। कृषोन्नती अम्ब्रेला और आरकेवीवाई अम्ब्रेला के अंतर्गत क्रमशः 75.30 प्रतिशत और 56.02 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है।

सरयू नहर परियोजना का विस्तार, पूर्वी यूपी में बढ़ेगा सिंचित क्षेत्र

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी का सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'हर खेत को जल' के मुताबिक पूरे प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था का विस्तार कर रहा है। सिंचाई विभाग सरयू नहर परियोजना का विस्तार कर रहा है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में प्रदेश का सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इस राष्ट्रीय परियोजना के तहत 14.04 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र विकसित करने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में वर्ष 2026-27 में नए कुलाबों का निर्माण और गैप्स को पूरा करने के साथ प्रेशर सिंचाई प्रणाली विकसित कर सरयू नहर परियोजना की सिंचाई क्षमता में लगातार वृद्धि की जा रही है। इससे न केवल पूर्वी यूपी में सिंचाई कमांड एरिया में वृद्धि हो रही है, बल्कि क्षेत्र के किसानों के उत्पादन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।सरयू नहर परियोजना के तहत पूर्वी यूपी के नौ जिलों में 9000 कुलाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से लगभग 7345 कुलाबों का निर्माण पूरा हो चुका है। शेष 1655 कुलाबों का निर्माण सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूरा कर रहा है। इससे क्षेत्र में लगभग 66,200 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र का विकास होगा, जिसका लाभ क्षेत्र के किसानों को रबी और खरीफ दोनों फसलों में मिलेगा। नहरों में 14 गैप्स के कारण बड़े क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होती है। इनमें से 14 नहर गैप्स में निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। सरयू नहर परियोजना के तहत कम जल उपलब्धता वाले क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था का विस्तार करने के उद्देश्य से यूपी सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से प्रेशर सिंचाई परियोजना का चरणबद्ध विकास कर रहा है।

घोसी चीनी मिल को बंद करने की किसी में ताकत नहीं: शर्मा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ जनपद के कुशमौर स्थित राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित निस्ट किसान मेला 2026 का उद्घाटन किया उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया। ऐसे मेले किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी देने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि देश के किसानों के अथक परिश्रम, समर्पण और पुरुषार्थ के कारण भारत आज खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बना है बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। आज भारत कई कृषि उत्पादों का निर्यात कर रहा है, जो किसानों की मेहनत और कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों का परिणाम है। किसानों से अपील की कि वे उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों और कृषि संस्थानों के मार्गदर्शन का लाभ लें तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं।उन्होंने किसानों को समन्वित खेती इंटीग्रेटेड फार्मिंग अपनाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेती के साथ पशुपालन, बागवानी, को जोड़कर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं।

यूपी में 'सुर साधना' की गूंज, स्थानीय कलाकारों को मिला मंच

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- 'सुर साधना' से जीवंत हो रही यूपी की लोक परंपराएं: जयवीर

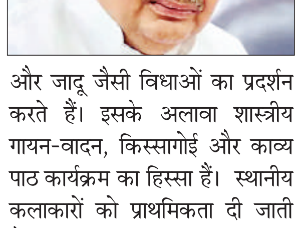

स्थानीय कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए 'सुर साधना' के तहत यूपी के 22 जिलों में साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अलग-अलग जिलों के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों पर कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। 156 दिनों में अब तक 374 सांस्कृतिक दलों के लगभग 2200 से ज्यादा कलाकार इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं, जिससे प्रदेश की लोक संस्कृति को नया मंच मिल रहा है। कार्यक्रमों में कई तरह की सांस्कृतिक विधाओं की प्रस्तुतियां दी जाती हैं। कलाकार लोकगायन, भजन-कीर्तन, लोकनृत्य, लोकनाट्य, कठपुतली और जादू जैसी विधाओं का प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा शास्त्रीय गायन-वादन, किस्सागोई और काव्य पाठ कार्यक्रम का हिस्सा हैं। स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे उस क्षेत्र की पारंपरिक कला को बढ़ावा मिल सके। कलाकारों को उनकी प्रस्तुति के अनुसार मानदेय भी दिया जाता है। लोक नृत्य के लिए 15,000 रुपए, लोक भजन गायन के लिए 10,000 रुपए और अन्य विधाओं जैसे जादू, कठपुतली, किस्सागोई दास्तानगोई और काव्य पाठ के लिए 5,000 रुपए मानदेय निर्धारित किया गया है। इससे कलाकारों को आर्थिक सहयोग भी मिल रहा है और वे अपनी कला को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर पा रहे हैं। 'सुर साधना' कार्यक्रम में कुसुमवन सरोवर मथुरा झांसी का किला झांसी, रामघाट चित्रकूट, नया अस्सी घाट वाराणसी त्रिवेणी घाट प्रयागराज, कुड़िया घाट और जनेश्वर मिश्र पार्क लखनऊ शिल्पग्राम आगरा, डाइट ऑडिटोरियम विकास भवन बदायूं नैमिषारण्य धाम सीतापुर राम की पैड़ी अयोध्या रामगढ़ताल गोरखपुर, सामौर बाबा धाम फिरोजाबाद, सीता समाहित स्थल भदोही, बटेश्वर धाम आगरा और पाल्हमेश्वरी देवी मंदिर आजमगढ़ शामिल हैं। विंध्यवासिनी देवी मंदिर विंध्याचल मिर्जापुर प्रेम मंदिर वृंदावन मथुरा, शुक्र तीर्थ मुजफ्फरनगर, देवीपाटन मंदिर बलरामपुर, गढ़मुक्तेश्वर हापुड़, मां शाकुंभरी देवी मंदिर सहारनपुर और शीतला माता मंदिर मैनपुरी जैसे जिलों के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी 'सुर साधना' के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश की लोक कला और लोक परंपराएं हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत की मजबूत नींव हैं। 'सुर साधना' जैसे आयोजन इन परंपराओं को नया जीवन देने का काम कर रहे हैं।

क्या आप भी ब्रोकली को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताजा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें।

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं – जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

वंशज सिंह के खिलाफ

रिद्धिमा पंडित

का लीगल एक्शन, ऑनलाइन हैरासमेंट को लेकर पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित कलर्स टीवी और जियो हॉटस्टार के रिएलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं. लेकिन शो से बाहर आने के बाद भी उनका गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है और यही वजह है कि उन्होंने 'द 50' के अपने साथी कंटेस्टेंट और डिजिटल क्रिएटर वंशज सिंह के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोल दिया है. रिद्धिमा ने न केवल वंशज को लीगल नोटिस भेजा है, बल्कि मुंबई की साइबर पुलिस में भी उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है.विवाद की शुरुआत 'द 50' के दौरान हुई थी. शो में एक टास्क के दौरान रिद्धिमा और वंशज के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें रिद्धिमा ने उन्हें 'बदतमीज' कहा था और जवाब में वंशज ने उन्हें 'आंटी' कहा था. शो के अंदर के इस झगड़े ने बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक खतरनाक मोड़ लिया और वंशज और उनकी टीम ने रिद्धिमा को बुरी तरह से ट्रोल करना शुरू किया.

ऑनलाइन हैरासमेंट ने की हदें पार

जब इन ट्रोल ने हदें पर कर दी, तब रिद्धिमा ने इसके खिलाफ आवाज उठाने का फैसला ले लिया और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की. रिद्धिमा का दावा है कि उन्हें पिछले कई दिनों से उन्हें रेप, मोलेस्टेशन, जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं. भद्दे और अश्लील मैसेज के साथ उनके परिवार को भी निशाना बनाया जा रहा है.

वंशज सिंह की प्रतिक्रिया

लीगल नोटिस मिलने के बाद वंशज सिंह अपनी हरकत से बाज नहीं आए. उन्होंने फिर एक बार सोशल मीडिया पर रिद्धिमा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रिय रिद्धिमा पंडित, आपको उन ताकतों का अंदाजा भी नहीं है, जिन्हें आपने आपके इस कदम से एक्टिवेट किया है. इतना नहीं नहीं, उन्होंने उन्हें मिली नोटिस की फोटो शेयर करते हुए हंसने वाली इमोजी शेयर की.

रिद्धिमा की टीम ने की पुष्टि

रिद्धिमा की टीम ने आधिकारिक तौर पर इस एक्शन की पुष्टि करते हुए कहा, हां, यह बिल्कुल सच है. हमने वंशज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और प्रक्रिया जारी है. शो की बात करें तो 'द 50' का फिनाले 22-23 मार्च के आसपास होने की उम्मीद है. शो में फिलहाल प्रिंस नरूला, रजत दलाल, मिस्टर फैजू और अर्चना गौतम जैसे दिग्गज कंटेस्टेंट्स बने हुए हैं. करण पटेल ने अपनी जगह वंशज को देकर खुद शो छोड़ दिया था, जिससे वंशज अभी भी गेम का हिस्सा हैं. लेकिन रिद्धिमा के इस कड़े कदम ने ये साफ कर दिया है कि स्क्रीन का झगड़ा अब असल जिंदगी की कानूनी लड़ाई बन चुका है.

सपना चौधरी

और अर्चना गौतम ने क्यो मांगी माफी? यंग सैमी ने बाहर आकर खोली सबकी पोल

जियो सिनेमा के सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'द 50' से एक और चौंकाने वाली विदाई हो गई है. नाइजीरियाई मूल के भारतीय रैपर और अपनी सादगी से सबका दिल जीतने वाले यंग सैमी शो से बाहर हो गए हैं. घर से बाहर निकलते ही सैमी के तेवर बदले-बदले नजर आ रहे हैं.डिजिटल के साथ की खास बातचीत में उन्होंने शो की कंटेस्टेंट अर्चना गौतम को आड़े हाथों लिया और साथ ही हरियाणवी डांसर सपना चौधरी की ओर से उन पर की गई रंगभेदी कमेंट पर भी खुलकर बात की.सवाल: सैमी, आपका एविक्शन काफी चौंकाने वाला था. फैजू और रजत दलाल की टीम की तरफ से इस तरह से आपको बाहर का रास्ता दिखाना सही था?

सैमी का जवाब: देखिए, 'द 50' एक गेम है और इसे मैं पूरी तरह समझता हूं. उस वक्त दूसरी टीम यानी फैजू और रजत के पास पावर थी कि वो चार लोगों को बाहर कर सकें. उनकी टीम को अपनी संख्या बढ़ानी थी और हमारी टीम को कमजोर करना था. अगर मुझे मौका मिलता, तो शायद मैं भी यही करता. इसमें कुछ भी 'पर्सनल' नहीं है. रजत और फैजू सिर्फ अपना गेम खेल रहे थे और उन्होंने वही किया जो उनके लिए सही था.

अर्चना गौतम ने आपके बारे में एक भद्दा कमेंट किया. उन्होंने कहा कि आप फ्री का खाने आए हैं. जब आपने ये सुना तो आपका क्या रिएक्शन था ?

यंग सैमी- अर्चना की वो बात बहुत ही घटिया और अनकॉल्ड फॉर (अनावश्यक) थी. उन्होंने कहा कि सैमी को बाहर निकालो, वो यहां फ्री का खाने आया है. मुझे उस वक्त इतना गुस्सा आया था कि मैं वहीं उन्हें जवाब देना चाहता था. लेकिन फिर मुझे अहसास हुआ कि शायद आज मेरा शो का आखिरी दिन है, तो मैं लड़ाई-झगड़े और निगेटिविटी के साथ घर नहीं जाना चाहता था. मैंने उस बात को पी लिया और बहुत ही शांति से एग्जिट दरवाजे के पास चला गया.लेकिन जब मैं घर से बाहर निकल रहा था, तब अर्चना मेरे पास आईं और ऐसे नाटक करने लगीं जैसे उन्हें मेरे जाने का बहुत दुख हो. तब मेरा पारा चढ़ गया.

न 50 लाख कैश, न कार और न टीवी...बिग बॉस ने विनर गौरव खन्ना को अब तक कुछ नहीं दिया

टीवी के मशहूर एक्टर गौरव खन्ना ने सलमान खान के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' का खिताब अपने नाम किया था. उन्होंने ये ट्रॉफी 7 दिसंबर 2025 को जीती थी. इस साल बिग बॉस के विनर को प्राइज मनी के तौर पर 50 लाख रुपये दिए जाने का ऐलान हुआ था. साथ ही कार और टीवी भी उन्हें मिलनी थी. मगर तीन महीने से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी गौरव खन्ना को बिग बॉस की प्राइज मनी, कार और टीवी नहीं मिल पाई है. इस बात का खुलासा उन्होंने खुद अपने यूट्यूब व्लॉग में किया है.

कई फैंस ने गौरव से कैश प्राइज, कार और टीवी मिलने को लेकर सवाल किया था. अपने व्लॉग में गौरव ने फैंस के सवालों का जवाब भी दिया. उन्होंने कहा, अब तक मुझे वो चीज़ें नहीं मिली हैं. यानी गौरव भले ही बिग बॉस 19 की ट्रॉफी अपने घर ले आए हों, लेकिन कैश प्राइज और जो भी चीज़ें उन्होंने शो में जीती थीं, उसके लिए उन्हें अभी और इंतज़ार करना होगा.

गौरव की लाइफ में आया बदलाव

बिग बॉस 19 का हिस्सा बनने के बाद गौरव खन्ना की लाइफ में काफी बदलाव आया है. वैसे तो गौरव पहले भी एक्टर थे, पर बिग बॉस ने काफी कुछ बदल दिया है. उन्हें अब लोग पहचानने लगे हैं. गौरव ने कहा, एक एक्टर के लिए ये बहुत खास होता है कि लोग आपको आपके असली नाम से पहचाने.

प्रोफेशनल नहीं, पर्सनल लाइफ बदली

उन्होंने कहा, बिग बॉस ने मेरे करियर से ज्यादा मेरी पर्सनल जिंदगी पर ज्यादा असर डाला है. ये कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि ये कैसे मेरे काम को भविष्य में बदलेगा. पहले लोग, ज्यादातर मुझे, मेरे निभाए गए कैरेक्टर, जैसे अबीर, शरमन, केविन या अनुज से पहचानते थे और वो मुझे इसी नाम से पुकारते थे. पर चीज़ें बदल गई हैं.

मैं कहीं भी जाऊं, यहां तक कि मैं दुबई में भी लोग जीके जीके, गौरव कहकर बुलाते हैं. कई सालों तक अलग अलग रोल निभाने के बाद जब लोग आपको आपके असली नाम से बुलाते हैं तो ये बहुत खास होता है.

सहेली के पति से की थी शादी, 3 साल 3 महीने में ही हुआ हंसिका मोटवानी-सोहेल कथूरिया का तलाक

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी अपनी खूबसूरती के लिए काफी चर्चा में रहती हैं. उन्होंने एक चाइल्ड एक्टर के तौर पर तो काफी शोहरत बटोरी, लेकिन बड़े होने के बाद एक्टिंग की फील्ड में उनका सिक्का ज्यादा चला नहीं. हंसिका ने हिमेश रेशमिया की फिल्म आप का सुरूर से एल्डर आर्टिस्ट के तौर पर अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन उनको वो शोहरत हासिल नहीं हुई, जिसकी उन्हें तलाश थी. हंसिका अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अब ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं.हंसिका की शादी को लेकर एक नई खबर सामने आई है, जिसने उनके चाहने वालों का दिल तोड़ दिया है. दरअसल, खबर है कि हंसिका मोटवानी अपने पति सोहेल कथूरिया संग तलाक ले चुकी हैं. दोनों ने अपनी तीन साल तीन महीने की शादी को खत्म कर दिया है.

आपसी सहमति से लिया तलाक

जानकारी के मुताबिक, ये तलाक आपसी सहमति से हुआ है. इस तलाक में किसी भी तरह की एलिमनी की डिमांड नहीं की गई, बिना शर्त के ये तलाक कोर्ट से लिया गया है. हंसिका के वकील एडवोकेट अदनान ने ये बताया कि दोनों ने शादी तो की थी, लेकिन एक वक्त के बाद दोनों को ये समझ आया कि उनके व्यवहार और जीवनशैली में काफी फर्क है, जिससे दोनों के बीच दिक्कतें बढ़ने लगीं. इसके बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया. कोर्ट ने कपल के तलाक को मंजूरी दे दी है.

2024 से अलग-अलग रह रहे थे हंसिका-सोहेल

फाइल की गई याचिका में ये भी कहा गया कि कपल के परिवार वालों और दोस्तों ने दोनों को समझाने और शादी को एक और मौका देने की बात कही, लेकिन कई कोशिशों के बाद भी दोनों में सामन्जस्य नहीं बैठा, जिसके बाद दोनों ने तलाक का रास्ता चुना. ये बात भी सामने आई कि हंसिका और सोहेल एक दूसरे से 2 जुलाई 2024 से अलग-अलग रह रहे थे. हंसिका और सोहेल ने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया संग शादी की थी.

हंसिका की शादी को लेकर कुछ अटकले भी थीं. दरअसल, सोहेल हंसिका की करीबी दोस्त के पति थे. हंसिका पर उनकी दोस्त का घर तोड़ने का आरोप लगा था. इस वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया और लोगों ने उन्हें 'होमब्रेकर' (घर तोड़ने वाली) तक कह दिया था. सोहेल की पहली पत्नी रिंकी बजाज, हंसिका की दोस्त थीं, और हंसिका ने उनकी पहली शादी में भाग भी लिया था, जो इंटरनेट पर वायरल हो गया था. इस पर काफी कंट्रोवर्सी हुई थी.

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे। हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है।

जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है। हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है। ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है। यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

एक्सप्रेस आलेख

विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा और रुपये पर दबाव कम किया जा सकेगा। समग्र रूप से देखा जाए तो ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अस्थिरता पैदा की है, लेकिन भारत ने इन चुनौतियों का सामना व्यावहारिक और संतुलित रणनीति से करने का प्रयास किया है। आत्मनिर्भरता, मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार, नए बाजारों की खोज और युवा शक्ति का विकास भारत की प्रमुख रणनीतियाँ हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में निरंतर प्रगति करता है तो वह न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सहयोग का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी बन सकता है।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं।

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी। भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया। वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी। भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वार्ताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। इसका मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से निवेश निकालना है, जिससे डॉलर का बाहरी प्रवाह बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की नीति अपना रहा है।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है।

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	दशमी 08:11 तक
नक्षत्रः	उत्तराषाढ़ 04:49 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	शनिवार
योगः	वरीयान, 10:42
सूर्योदयः	06:40
सूर्यास्तः	18:31
चंद्रमाः	धनु राशि में
राहुकालः	09:38-11:07
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	चैत्र
शुभ मुहूर्तः	12:12-12:59

जन एक्सप्रेस

आग ना लगाओ !

ना कोई भी किल्लत ।
गैस है भरपूर ।।
सप्लाई पर लेकिन ।
थोड़ा असर जरूर ।।
है पूरा भण्डार भरा ।
आग ना लगाओ ।।
वातावरण वेवजह ।
भय का ना बनाओ ।।
है लगाम जरूरी ।
जो कालाबाजार ।।
एलपीजी सिलेंडर को ।
लगने लगी कतार ।।
किया पैनिक बेवजह ।
मजे रहे सब मार ।।
नौबत हाथापाई की ।
मिला समाचार ।।

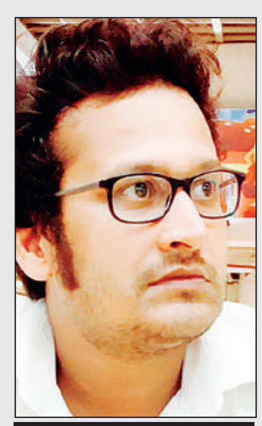

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

मर्दाना ताकत बढ़ाने के लिए फायदेमंद होती है सफेद मूसली और मखाना

भारत में सदियों से स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को दूर करने और स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेदिक उपायों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जो न सिर्फ महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि ये पुरुषों के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। आज के समय में पुरुषों में भी फर्टिलिटी से जुड़ी कई समस्याएं बढ़ गई हैं, जिसे दूर करने और मर्दाना ताकत बढ़ाने में कई जड़ी-बूटियां फायदेमंद होती हैं। सफेद मूसली और मखाना भी उन्हीं में से एक है, जो पुरुषों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को दूर करके उनके शरीर को एनर्जी देने में मदद कर सकता है।

यौन शक्ति बढ़ाएः आयुर्वेद में सफेद मूसली और मखाना दोनों को ही पुरुषों की प्रजनन क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है। सफेद मूसली में शुक्र धातु यानी पुरुष प्रजनन टिशू को बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो शुक्राणुओं की क्वालिटी और संख्या को बढ़ाते हैं। जबकि मखाना वीर्य को गाढ़ा करने और हेल्दी रखने में मदद करता है। इन दोनों को एक साथ दूध में मिलाकर पीने से इरेक्टाइल डिस्फंक्शन और शीघ्रपतन में मदद मिलती है।

एनर्जी बढ़ाने में फायदेमंदः मखाना

और सफेद मूसली दोनों ही पुरुषों के शरीर में एनर्जी बढ़ाने में मदद करता है। मखाने में मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के गुण शरीर को एनर्जी देते हैं, जबकि सफेद मुसली उनकी इम्यून सिस्टम को बढ़ाती है और कमजोरी दूर करती है। इन दोनों को एक साथ लेने से पुरुषों के शरीर में नेचुरल एनर्जी बढ़ती है और थकान कम होती है।

तनाव और नींद में सुधारः आयुर्वेद के अनुसार मखाना और सफेद मूसली का एक साथ सेवन पुरुषों के दिमाग को शांत करने और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मदद करता है। सफेद मूसली में एडेप्टोजेनिक गुण होते हैं, जो तनाव और डिप्रेशन को कम करते हैं। रात को सोने से पहले दूध में मखाना और मुसली मिलाकर पीने से आपको अच्छी नींद आती है और दिमागी थकान भी दूर होती है।

मांसपेशियों को आरामः जिम जाने या वर्कआउट करने वाले पुरुषों के लिए भी मखाना और मूसली का मिश्रण काफी फायदेमंद होता है। मखाना कम कैलोरी और हाई प्रोटीन से भरपूर होता है, जबकि मूसली शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। ऐसे में इन दोनों का मिश्रण नेचुरल सप्लीमेंट की तरह काम करता है।

हार्मोन संतुलित रखता हैः सफेद मूसली का सेवन पुरुषों के शरीर में हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे टेस्टोस्टेरोन हार्मोन लेवल कंट्रोल में रहता है। जबकि मखाना में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र में सुधार करता है। पुरुषों के शरीर में हार्मोनल असंतुलन के कारण होने वाली समस्याएं जैसे थकान, मूड स्विंग, यौन से जुड़ी कमजोरी आदि से राहत मिल सकती है।

सफेद मूसली और मखाना कैसे खाएं?: आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा का कहना है कि, सफेद मुसली और मखाना का सेवन आप रोजाना रात को सोने से पहले कर सकते हैं। रात को सोने से पहले 1 गिलास गर्म दूध में 3-4 ग्राम सफेद मूसली का चूर्ण और 1 चम्मच भुना हुआ मखाना डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर गुनगुने दूध का सेवन करें।

एक्सप्रेस विशेष

वैक्सीन, जिम्मेदारी और न्याय का संतुलन

वैक्सीन ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा दी, लेकिन न्याय व्यवस्था यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यदि उस सुरक्षा कवच में कहीं दुर्लभ दरार भी रह जाए, तो उससे प्रभावित व्यक्ति को उचित सहारा मिल सके। इसी दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रोहित पारीक

अदालत का मानना है कि मौजूदा वैज्ञानिक व्यवस्था पर्याप्त है और उसी के आधार पर मामलों की जांच की जानी चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बहुत बड़े स्तर पर टीकाकरण किया जाता है।

कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि एक सूक्ष्म वायरस भी पूरी मानव सभ्यता को चुनौती दे सकता है। साल 2020 में जब यह वायरस तेजी से फैला, तो अस्पतालों में मरीजों की भीड़, खाली पड़ी सड़कें और भय का माहौल पूरी दुनिया में दिखाई दिया। ऐसे समय में विज्ञान ने उम्मीद की किरण के रूप में कोविड वैक्सीन विकसित की, जिसने करोड़ों लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। वैक्सीन अभियान मानव इतिहास के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक था। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अरबों खुराकें दी गईं और इससे संक्रमण व मृत्यु दर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका। हालांकि चिकित्सा विज्ञान यह भी मानता है कि किसी भी दवा या टीके के साथ बेहद दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं होती। इसी संदर्भ में यह सवाल उठता रहा है कि यदि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लगाए गए टीके से किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी कौन उठाएगा। इसी मुद्दे पर हाल ही में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। 10 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट की पीठ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड वैक्सीन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में 'नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी' बनाने की संभावना पर विचार किया जाए। इस प्रकार की नीति का अर्थ यह होता है कि प्रभावित व्यक्ति को मुआवजा पाने के लिए यह साबित नहीं करना होगा कि सरकार, वैक्सीन निर्माता कंपनी या डॉक्टर की गलती थी। केवल यह देखा जाएगा कि नुकसान वास्तव में वैक्सीन से जुड़ा है या नहीं। यदि वैज्ञानिक जांच में यह संबंध स्थापित होता है, तो पीड़ित को राहत दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने यह भी मांग की थी कि कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभावों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक नई विशेषज्ञ समिति बनाई जाए। हालांकि अदालत ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि भारत में पहले से एडवर्स इवेंट फॉलोविंग इम्युनाइजेशन नामक वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली मौजूद है, जो टीकों से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों की जांच करती है। इसलिए अलग से नया विशेषज्ञ पैनल बनाने की आवश्यकता नहीं है। अदालत का मानना है कि मौजूदा वैज्ञानिक व्यवस्था पर्याप्त है और उसी के आधार पर मामलों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बहुत बड़े स्तर पर टीकाकरण किया जाता है, तो उससे जुड़े दुर्लभ जोखिमों के लिए राहत व्यवस्था पर भी विचार होना चाहिए। दरअसल, दुनिया के कई देशों में पहले से ही वैक्सीन से होने वाले दुर्लभ नुकसान के मामलों के लिए मुआवजा योजनाएं लागू हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लाभ के साथ-साथ संभावित जोखिमों की जिम्मेदारी भी संस्थागत रूप से स्वीकार की जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल कोविड वैक्सीन से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत की ओर इशारा करती है कि जब राज्य बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य अभियान लागू करता है, तो नागरिकों के भरोसे और सुरक्षा दोनों की जिम्मेदारी भी उसी पर होती है। कोविड महामारी ने यह स्पष्ट किया कि विज्ञान, समाज और शासन के बीच विश्वास का रिश्ता कितना महत्वपूर्ण है। वैक्सीन ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा दी, लेकिन न्याय व्यवस्था यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यदि उस सुरक्षा कवच में कहीं दुर्लभ दरार भी रह जाए, तो उससे प्रभावित व्यक्ति को उचित सहारा मिल सके। इसी दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। **संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित)** आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, **(नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)**

वैज्ञानिक पद्धति से गन्ना बुवाई पर जोर, डीसीओ ने खेत पर पहुंच किसानों को दी उन्नत खेती की जानकारी

- बसंतकालीन गन्ना बुवाई के दौरान खेत का किया निरीक्षण
- भ्रामक प्रचार से बचने और स्वीकृत किस्में लगाने की दी सलाह

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बसंतकालीन गन्ना बुवाई को लेकर गन्ना विभाग ने किसानों को वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने का अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गन्ना विकास समिति क्षेत्र के ग्राम कनाकोर में जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने किसान के खेत पर पहुंचकर गन्ना बुवाई का निरीक्षण किया और किसानों को उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। ग्राम कनाकोर में कृषक हरीफ कुमार के फार्म पर अगेती गन्ना किस्म को.लख. 16202 की लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्रफल में वैज्ञानिक पद्धति से बुवाई की गई। जिला गन्ना अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर खेत का निरीक्षण किया और उपस्थित किसानों से संवाद कर बसंतकालीन गन्ना बुवाई की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि गन्ने की बुवाई दो आंख वाले टुकड़ों (सेट) से लगभग तीन फीट की दूरी पर की गई है, जो वैज्ञानिक दृष्टि से उपयुक्त मानी जाती है। इस विधि से पौधों को पर्याप्त स्थान मिलता है, जिससे उनका विकास बेहतर होता है और उत्पादन में वृद्धि की संभावना रहती है। किसानों को संबोधित करते हुए जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि किसान केवल वैज्ञानिकों और गन्ना विभाग द्वारा स्वीकृत गन्ना किस्मों की ही बुवाई करें। अस्वीकृत, कम उत्पादकता वाली और कम शुगर रिकवरी देने वाली किस्मों की खेती से किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से गन्ना किस्मों को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाकर किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के बहकावे में आने से किसानों को आर्थिक हानि हो सकती है, इसलिए किसान सतर्क रहें और केवल विभाग द्वारा दी गई सलाह के आधार पर ही खेती करें।

मोबाइल से भी मिल सकेगी बीज की जानकारी: डीसीओ

जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि जनपद में स्वीकृत गन्ना बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसान अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भी गन्ना बीज की उपलब्धता की जानकारी enquiry.caneup.in वेबसाइट पर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा किसान गन्ना विकास परिषद या संबंधित चीनी मिल से संपर्क कर भी बीज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर गन्ना उत्पादन को बढ़ाएं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। इस दौरान के.बी. शर्मा (अधिशासी अध्यक्ष, गन्ना विकास समिति), राजीव शर्मा (सहायक गन्ना प्रबंधक), शिव स्वरूप सिंह (उप गन्ना प्रबंधक), प्रदीप सिंह, बाबू राम सहित अन्य किसान और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा और अलविदा जुमा को लेकर पीलीभीत में हाई अलर्ट

- डीएम-एसपी ने केंद्रों व जामा मस्जिद का किया निरीक्षण
- 14 व 15 मार्च को छह केंद्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा
- व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच; सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद में आयोजित होने वाली उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंधन से लेकर परीक्षार्थियों की सुविधाओं तक हर पहलू की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम पीएम श्री ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, सिद्दीकी नेशनल इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रामा इंटर कॉलेज तथा उपाधि महाविद्यालय सहित छह निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर पहुंची। यहां अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, प्रवेश और निकास द्वारों की व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग, बैठने की क्षमता, स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा, पुलिस बल की तैनाती और यातायात प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रहनी चाहिए, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षार्थियों की प्रवेश के समय सघन जांच की जाए और परीक्षा परिसर के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा के दौरान शहर में किसी प्रकार की अव्यवस्था न उत्पन्न हो।

अलविदा जुमा को लेकर भी सतर्क रहा पुलिस-प्रशासन

परीक्षा की तैयारियों के साथ ही प्रशासन धार्मिक आयोजन को लेकर भी पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शहर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद पहुंचकर आगामी अलविदा जुमा की नमाज के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मस्जिद परिसर और आसपास के इलाकों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी कराई गई, ताकि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर पैनी नजर रखी जा सके। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि नमाज के दौरान क्षेत्र में लगातार गश्त की जाए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती जाए। भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश भी दिए गए। वहीं जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह तथा पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव का कहना है कि पुलिस भर्ती परीक्षा और अलविदा जुमा जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को देखते हुए जिले में सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय रखा गया है। अधिकारियों का उद्देश्य है कि दोनों ही कार्यक्रम पूरी शांति, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हों।

प्रशासन के अनुसार उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा 14 और 15 मार्च को आयोजित की जाएगी। जनपद में कुल छह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां दो पालियों में अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इसे देखते हुए प्रशासन ने बिजली, पेयजल, शौचालय, पंखे और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जांच कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए हैं।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्री की मौत

- महिला समेत तीन लोग घायल, शादी समारोह में जा रहा था परिवार

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

घुंघचाई-बंडा हाईवे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री की मौत हो गई, जबकि एक महिला और दो बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहनपुर जप्ती निवासी मुकेश (पुत्र सीताराम) अपनी रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहा था। उसके साथ बाइक पर गजरौला खास निवासी उसकी साली आरती देवी, तीन वर्षीय पुत्री आरोही तथा रिश्तेदार के बच्चे कृष्णा (8 वर्ष) और दुर्वेश (11 वर्ष) भी सवार थे। सभी लोग दियूरिया थाना क्षेत्र के गांव न्यूरानपुर मुड़िया जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जब बाइक घुंघचाई कस्बे से करीब एक किलोमीटर पहले हाईवे पर हीरो होंडा बाइक एजेंसी के पास पहुंची, तभी बंडा की ओर से तेज गति से आ रही एक महेंद्र पिकअप ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सभी लोग सड़क पर जा गिरे। हादसे में मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी तीन वर्षीय बेटी आरोही समेत अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने घायल बच्ची आरोही की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पर्यावरण संरक्षण और गंगा कार्ययोजना पर समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद में पर्यावरण संरक्षण, गंगा कार्ययोजना और वृक्षारोपण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शुक्रवार देर शाम गांधी सभागार में जिला पर्यावरण समिति और जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गंगा कार्ययोजना से जुड़े अधिकारियों और समिति के सदस्यों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्ययोजना तैयार कर उच्च स्तर को भेजी जाए, ताकि समय पर आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त की जा सकें। बैठक में प्रभागीय निदेशक वन एवं वन्य जीव ने जानकारी दी कि छोटी और सहायक नदियों के पुनरुद्धार एवं कायाकल्प के लिए कटना नदी का चयन किया गया है। नदी क्षेत्र में आने वाली ग्राम पंचायतों की सूची भी तैयार कर ली गई है। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश देते हुए कहा कि कटना नदी के पुनरुद्धार से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शीघ्र उच्च स्तर को प्रेषित की जाए, जिससे आगे की कार्यवाही समय पर पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि नदी, नालों और जलाशयों को स्वच्छ बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है कि वे पूजा सामग्री या कूड़ा-कचरा जल स्रोतों में न डालें। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और वृक्षारोपण कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर चलाने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाए गए प्रतिबंध के प्रभावी अनुपालन और प्रवर्तन कार्यवाही की भी समीक्षा की। साथ ही जैव चिकित्सा अपशिष्ट के निस्तारण की व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान आरआरसी सेंटर की भी समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जहां यह केंद्र अभी शुरू नहीं हुए हैं, वहां शीघ्र संचालन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, डीएफओ, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सहित अन्य अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भा.कि.यू. (अरा0) ने बालू खदान संचालक की मनमानी की जिलाधिकारी से लगाई कार्यवाही गुहार

- अवैध खनन व परिवहन से बर्बाद हो रही किसानों की फसल बर्बाद
- कार्यवाही नहीं हुई तो होगा खनन क्षेत्र में ही प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। बांदा

दिनांक 13 मार्च को भारतीय किसान यूनियन अरा0 ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई कि ग्राम मरौली में बालू खदान खण्ड संख्या -04 में बालू खनन चल रहा है लेकिन ठेकेदारों द्वारा किसान नत्थू पुत्र मंगलिया निवासी ग्राम मरौली थाना मटौंध की भूमिधरी कृषि भूमि गाटा सं0 1912 एवं 1913 तथा किसान राममूर्ति पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम मरौली की कृषि भूमि गाटा सं0 1862, 2595, एवं 2597 और किसान बच्चा पुत्र मेडता की कृषि भूमि गाटा सं0 128 से जबरन रास्ता बनाकर ट्रक निकाले जा रहे है।किसानों की खडी फसल बर्बाद की जा रही है।किसानों के मना करने पर ठेकेदारों द्वारा किसानों को जान से मारने की धमकी दी जा रही है/पूर्व में किसानों द्वारा कई बार प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन कोई उचित कार्यवाही ना होने से ठेकदारों के हौसले बुलन्द है नदी में प्रतिबन्धित मशीनों द्वारा बालू का खनन किया जा रहा है,एवं एन0जी0टी0 के नियमों के विरूद्ध खुले ट्रकों से परिवहन किया जा रहा है जिस कारण क्षेत्र के किसानों की खड़ी फसल बर्बाद हो रही है,यही स्थिति खण्ड सं0-05 में भी है।आपको अवगत कराना है कि बालू ठेकेदारों के विरूद्ध उचित कार्यवाही करते हुए किसानों की भूमि एवं फसलों की रक्षा करने की कृपा करें तथा ठेकेदारों को एन0जी0टी0 के नियमानुसार कार्य करने को निर्देशित करने का कष्ट करें अन्यथा की स्थिति में दिनांक 16 मार्च को भारतीय किसान यूनियन (अरा0) खदान स्थल में प्रदर्शन करने को बाध्य होगा जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व जिला प्रशासन का होगा।

गांव-गांव पांव-पांव पद यात्रा का नरैनी में हुआ जोरदार स्वागत

जन एक्सप्रेस। बांदा

बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग को लेकर निकाली जा रही 'गांव-गांव, पांव-पांव पद यात्रा' अपने आठवें दिन नरैनी क्षेत्र में पहुँची यात्रा का लोगों ने खुलकर स्वागत किया।बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुंदेला,बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय, यात्रा संयोजक आश्रय सिंह तथा जनपद क्षेत्र के नेतृत्वकर्ता जयराम सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।यह यात्रा पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के समर्थन में जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही है।यात्रा में शामिल युवा,किसान और सामाजिक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को अलग राज्य के महत्व और उसके लाभों के बारे में जागरूक कर रहे हैं।इस अवसर पर प्रवीण पांडेय ने कहा कि बुंदेलखंड

दशकों से भुखमरी,बेरोजगारी,पलायन और पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है।उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने से स्थानीय सरकार रोजगार,सिंचाई और कृषि से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम कर सकेगी।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि हर घर से दो हाथ इस आंदोलन के लिए आगे आएं,ताकि बुंदेलखंड के अधिकार और सम्मान की लड़ाई को और मजबूत किया जा सके।इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू ने भी बुंदेलखंड राज्य के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की और लोगों से आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। यात्रा में मुख्य रूप से राजा बुंदेला, प्रवीण पांडेय,जयराम सिंह,कालू राम प्रजापति,अजय सिंह,कपड़ा व्यवसाई सत्येंद्र सिंह परिहार, राजू सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जतीपुर की घटना ने खड़े किए कई सवाल: हिंसा से लेकर इलाज की व्यवस्था तक

- दो समुदायों की झड़प में युवक गंभीर घायल, अस्पताल में उपचार को लेकर विवाद, प्रशासनिक व्यवस्था पर भी उठे सवाल

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद के थाना जहानाबाद क्षेत्र के जतीपुर गांव में हुई एक हिंसक झड़प ने न सिर्फ कानून व्यवस्था बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मामूली विवाद से शुरू हुई यह घटना देखते ही देखते दो समुदायों के बीच टकराव में बदल गई, जिसमें महेंद्र पाल नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार में कथित देरी के आरोपों ने पूरे प्रकरण को और अधिक संवेदनशील बना दिया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार गांव में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद तनाव की स्थिति बनी। बताया जाता है कि विवाद के बाद दोनों पक्ष मामले को लेकर पुलिस चौकी की ओर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही झगड़ा बढ़ गया और मारपीट की घटना हो गई। इस दौरान महेंद्र पाल को गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव के लिए आगे आए कुछ ग्रामीण भी हमले की चपेट में आ गए, जिससे गांव में अफरा-तफरी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रशासन का दावा है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि घटना का दूसरा पक्ष स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा है, जिसने लोगों के बीच बहस को और तेज कर दिया है। घायल को

सहायक पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल के अनुसार जहानाबाद थाना क्षेत्र के जतीपुर गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया। घायलों को उपचार दिलाया गया और पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है।

जिला अस्पताल लाने के बाद उपचार में देरी का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय हनुमान दल ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत उपचार मिलना चाहिए था, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने कथित तौर पर औपचारिकताओं का हवाला देते हुए समय लगाया। संगठन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि अस्पताल प्रशासन की प्राथमिकता मरीज के उपचार के बजाय अन्य प्रक्रियाओं पर केंद्रित रही, जबकि आपातकालीन चिकित्सा में सबसे पहले मरीज की जान बचाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घटना का एक और पहलू यह भी है कि अस्पताल प्रशासन की ओर से घायल को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की बात कही गई, जिसे संगठन ने अव्यावहारिक बताया है। उनका कहना है कि जिस केंद्र का जिक्र किया गया, वहां गंभीर मरीजों के उपचार की पर्याप्त व्यवस्था ही उपलब्ध नहीं है। फिलहाल इस पूरे प्रकरण पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन जतीपुर की यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर रही है कि ग्रामीण इलाकों में छोटी-छोटी घटनाएं किस तरह बड़े टकराव का रूप ले लेती हैं और ऐसे समय में प्रशासनिक तंत्र की तत्परता कितनी अहम हो जाती है। साफ है कि इस मामले में केवल आरोपियों पर कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि यह भी जरूरी है कि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग दोनों ही अपनी व्यवस्थाओं की समीक्षा करें, ताकि भविष्य में किसी घायल को उपचार के लिए इंतजार न करना पड़े और ऐसी घटनाएं सामाजिक तनाव में न बदलें।

पुत्र प्राप्ति की दवा के बहाने महिला से दुष्कर्म करने वाला कथित बाबा गिरफ्तार

- झाड़-फूंक के नाम पर ले गया कमरे में, पुलिस ने मेडिकल के बाद भेजा जेल

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

घुंघचाई थाना क्षेत्र में पुत्र प्राप्ति की दवा देने के नाम पर महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी कथित बाबा को गिरफ्तार कर लिया और मेडिकल परीक्षण के बाद उसे जेल भेज दिया। बताया गया कि पूरनपुर क्षेत्र का एक युवक अपनी पत्नी और मां के साथ पुत्र होने की उम्मीद में घुंघचाई क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले एक कथित बाबा के पास पहुंचा था। आरोपी बाबा लोगों को झाड़-फूंक और दवा के जरिए पुत्र प्राप्ति कराने का दावा करता था। पीड़िता के अनुसार बाबा ने पहले उन्हें एक धार्मिक स्थल पर ले जाकर पूजा-पाठ और झाड़-फूंक की रस्में कराई। इसके बाद दवा देने की बात कहकर उन्हें पास के एक गांव में एक परिचित के घर ले गया। वहां पहुंचने के बाद आरोपी ने महिला के पति और सास को किसी काम से बाहर भेज दिया। पीड़िता का आरोप है कि जैसे ही वह कमरे में अकेली रह गई, बाबा ने दवा देने के बहाने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने इसे धार्मिक प्रक्रिया बताकर महिला को किसी से भी इस बारे में न बताने की धमकी दी। घर लौटने के बाद महिला सहमी हुई रहने लगी। परिवार के लोगों के पूछने पर उसने पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता अपने पति के साथ थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी जयशंकर सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

तहरीर के आधार पर दर्ज हुआ मुकदमा

क्षेत्राधिकारी पूरनपुर प्रतीक दहिया ने बताया कि घुंघचाई थाना क्षेत्र के रहने वाले करीब 50 वर्षीय भगवान दीन के खिलाफ शिकायत मिली थी। आरोपी कपड़ों की फेरी लगाने के साथ पुत्र पैदा होने की दवा देने का दावा करता था। पीड़िता की तहरीर के आधार पर उसके खिलाफ बलात्कार सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनगणना-2027 के लिए फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

- बेनहर गुरुकुल में जनगणना प्रशिक्षण का शुभारंभ, डीएम ने दीप जलाकर किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को बेनहर गुरुकुल विद्यालय में फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की अहम भूमिका होती है। प्रथम चरण में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया था, जबकि अब द्वितीय चरण में 36 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दोनों चरणों में कुल 72 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 13, 14 और 16 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान जनसंख्या गणना से जुड़ी प्रक्रियाओं, सर्वेक्षण पद्धति और आंकड़ों के संकलन की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिससे फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले प्रगणक और पर्यवेक्षक सही तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में जनगणना की शुरुआत वर्ष 1872 में अंग्रेजी शासन के दौरान हुई थी। जनगणना से यह पता चलता है कि किसी गांव या नगर में कितनी आबादी निवास करती है। इसी के आधार पर प्रति व्यक्ति आय, संसाधनों का वितरण तथा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन तय किया जाता है। उन्होंने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों का सूचीकरण किया जाएगा, जबकि इसके बाद विस्तृत जनगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इन्हीं के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना का महत्व निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में भी होता है। विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों की जनसंख्या का निर्धारण भी जनगणना के आंकड़ों से ही किया जाता है। इसके अलावा इससे यह भी जानकारी मिलती है कि समाज में कितने लोग गरीबी रेखा से नीचे और कितने लोग उससे ऊपर जीवन यापन कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना के दौरान 33 विभिन्न पैरामीटरों पर सर्वेक्षण किया जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति और आवश्यकताओं का आकलन किया जाता है।

जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त फील्ड ट्रेनरों से कहा कि वे सभी बारीकियों को अच्छी तरह समझें और अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को भी उसी गंभीरता से प्रशिक्षण दें, ताकि जनगणना का कार्य बिना किसी त्रुटि के पूरा हो सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

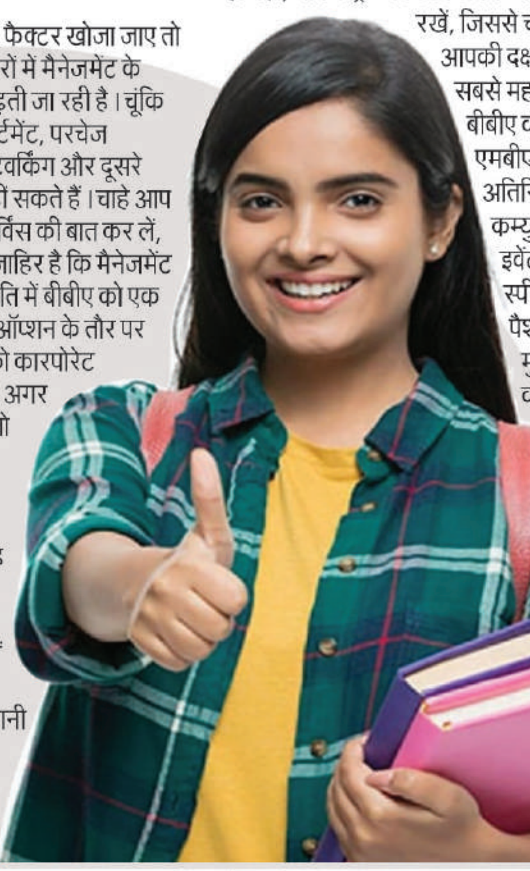

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे है। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे – लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं – पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

अज्ञानता ही है जीव के दुखों का कारण

जन एक्सप्रेस । बस्ती

हर्रैया। सांसारिक मोह में पड़े हुए व्यक्ति की अज्ञानता ही उसके दुखों का कारण है। जब जीव को ज्ञान की प्राप्ति होती है तो वह सांसारिक बंधन से मुक्त होकर भगवान का भजन करता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रीमद् भागवत कथा मनुष्य के पापों का नाश कर उसे परम गति प्रदान करती है। अवध धाम से पधारे कथा व्यास आचार्य सर्वेश्वर दत्त त्रिपाठी ने उक्त बातें कहीं। नगर पंचायत हर्रैया के वार्ड नंबर 14 मंगल पाण्डेय नगर भदासी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास श्रद्धालुओं को श्री कृष्णा जन्म की कथा का रसपान रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने अपने भक्तों का कल्याण करने तथा कंस जैसे दुराचारी राक्षस से पृथ्वी को भय मुक्त करने के लिए अवतार लिया। कथा को विस्तार देते हुए कहा कि कंस के अत्याचार से चारों तरफ त्राहि त्राहि मची हुई थी। पृथ्वी के साथ सभी देवता गण भगवान विष्णु के पास पहुंचे और उनसे कंस के अत्याचार, अनाचार, दुराचार से मुक्ति दिलाने के लिए प्रार्थना किया। भगवान ने कहा कि कुछ ही समय में वह स्वयं कंस का अंत करने के लिए अवतार लेंगे। कथा व्यास ने कहा कि कंस अपनी बहन देवकी की शादी राजा वसुदेव के साथ किया। रथ पर बिठाकर कंस अपनी बहन को उसके घर विदा करने ले जा रहा था इस दौरान हुई आकाशवाणी से उसका मन बदल गया और वह अपने बहन और बहनोई को कारागार में बंद कर दिया। एक-एक करो उसने देवकी के 6 संतानों का वध कर दिया। सातवें संतान को योग माया द्वारा रोहिणी के गर्भ में डाल दिया गया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि आठवें संतान के रूप में भगवान श्री हरि ने स्वयं अवतार लिया। उनके अवतरित होते ही देवगण पुष्प वर्षा करने लगे। उनके जन्म लेते ही देवकी वसुदेव के हाथों पर में लगी बेड़ियां खुल गई। कहा कि जो भगवान की शरण में चला जाता है उसे वह सभी बंधनों से मुक्त हो जाता है। मुख्य अजमान राम लाली देवी व्यासपीठ की आरती उतारी। मांगलिक गीतों पर देर रात तक श्रद्धालु थिरकते रहे। कथा में अनूप कुमार पांडेय, सीता शरण पांडेय शास्त्री, आशुतोष पाण्डेय, बेनीमाधव तिवारी, सामवेद पांडेय, सभासद प्रतिनिधि रमाकांत पांडेय, राघव राम, सियाराम, नारायण पाण्डेय, बालमुकुंद पांडेय, प्रेम नारायण पाण्डेय, अभिनंदन, पवन, ठाकुर प्रसाद, सुनील, देवी सेवक, श्रवण, आजाद, राज, दयानिधि, विपुल, श्लोक, शनि, वैभव, नमन, लक्की, करन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

वी.बी-जी राम जी योजना में मनरेगा मेटों ने विधायकों को सौंपा ज्ञापन

- प्रतिमाह वेतन, 365 दिन काम दिये जाने की मांग

जन एक्सप्रेस । बस्ती

बस्ती। शुक्रवार को मनरेगा महिला मेटों ने अधिकारों को लेकर सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक दूधराम, कविन्द्र चौधरी अतुल के साथ ही जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश के नेतृत्व में 4 सूत्रीय ज्ञापन सौपा। मांग किया कि वी.बी-जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह सम्मानजनक वेतन दिया जाय। ज्ञापन में बी-जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह वेतन दिये जाने, प्रदेश के सभी ग्राम पंचायत के सार्वजनिक कार्यों में 365 दिन कार्य सुनिश्चित किये जाने, मनरेगा श्रमिक डिमांड पत्र में मनरेगा मेट हस्ताक्षर अनिवार्य किये जाने और 20 श्रमिको का लगा प्रतिबन्ध हटाये जाने, एक्टिव मनरेगा मेट को मोबाईल, एवं सिम कार्ड अनलिमिटेड डाटा प्रदान दिये जाने जिससे हाजरी भरने में परेशानिया न हो आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश ने कहा कि वी.बी-जी राम जी योजना में मनरेगा मेट घोर उपेक्षा के शिकार हैं। इन्हें पर्याप्त अवसर और अधिकार दिये जाय। ज्ञापन देने के दौरान सत्यभामा, मीरा देवी, इसरावती, सरोज शर्मा, निर्मला देवी, सुमन, वंदना, गीता वर्मा, रीना वर्मा, रेखा देवी, सत्यवती, निर्मला, रीता देवी आदि शामिल रहे।

दो करोड़ की स्वीकृति पर सियासी श्रेय की जंग

- पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह के प्रस्ताव पर पर्यटन मंत्री ने दी मंजूरी, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पत्र

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

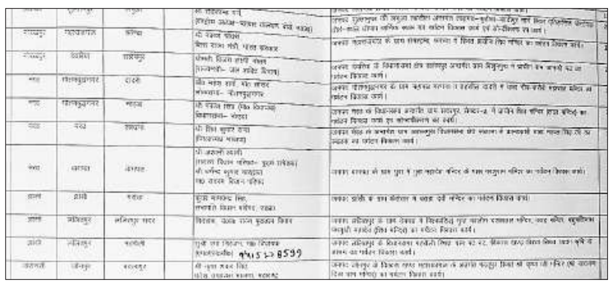

विकास कार्यों की स्वीकृति होते ही राजनीतिक श्रेय की होड़ तेज होना अब आम बात हो चुकी है। जौनपुर में भी ऐसा ही एक मामला फिर सामने आया है, जहां बदलापुर क्षेत्र के फत्तूपुर गांव स्थित परमहंस योगाश्रम सहज धाम परिसर में बनने वाले श्री नारायण दिव्य धाम मंदिर के विकास के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बाद सियासी हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह के प्रस्ताव और निवेदन पर उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंदिर परिसर के सुंदरीकरण, नवीनीकरण और विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है। जैसा की विभागीय पत्र के साथ इस स्वीकृति की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल होते ही क्षेत्रीय राजनीति में हलचल बढ़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस धनराशि से परमहंस योगाश्रम सहज धाम परिसर में स्थित भव्य श्री नारायण दिव्य धाम मंदिर का सुंदरीकरण, साधु-संतों और श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए भवन निर्माण, तथा छात्रों के लिए सांस्कृतिक शिक्षा और पठन-पाठन हेतु पुस्तकालय एवं बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कराया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस परियोजना से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए नया केंद्र विकसित होगा।

श्रेय लेने की होड़, लेकिन भ्रष्टाचार पर खामोशी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जौनपुर में अक्सर विकास कार्यों को लेकर श्रेय लेने की प्रतिस्पर्धा देखी जाती है। चाहे केंद्र सरकार की योजना हो या प्रदेश सरकार की, कई जनप्रतिनिधि उसे अपने प्रयासों का परिणाम बताकर प्रचारित करते नजर आते हैं। लेकिन स्थानीय जनता का कहना है कि यदि विकास कार्यों का श्रेय लेने की इतनी होड़ है तो प्रशासनिक स्तर पर आम जनता को झेलनी पड़ रही समस्याओं और कथित भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई आगे क्यों नहीं आता। जिले में अधिकारियों से लेकर निचले स्तर तक आम लोगों को होने वाली परेशानियों को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। लोगों का कहना है कि यदि विकास कार्यों का श्रेय लेने वाले नेता प्रशासनिक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी उतनी ही मुखरता दिखाएं तो जनता को वास्तविक राहत मिल सकती है। फिलहाल मंदिर परिसर के लिए दो करोड़ रुपये की स्वीकृति से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि स्वीकृत धनराशि से प्रस्तावित कार्य कब शुरू होते हैं और कितनी पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाते हैं

राजनीतिक इतिहास भी चर्चा में

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह का राजनीतिक अतीत भी चर्चा का विषय बन गया है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि जब देश और महाराष्ट्र दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी, तब कृपाशंकर सिंह महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद पर भी रहे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों का कहना है कि उस दौर में जौनपुर में विकास कार्यों को लेकर कोई विशेष पहल दिखाई नहीं दी। वहीं भाजपा में शामिल होने के बाद उनकी सक्रियता जौनपुर में काफी बढ़ी और उन्होंने लोकसभा चुनाव भी लड़ा, हालांकि उन्हें समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा से हार का सामना करना पड़ा।

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए : राहुल त्रिपाठी

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जफराबाद क्षेत्र में सहज जन सेवा केंद्र संचालक प्रेमचंद यादव पर हुए जानलेवा हमले के बाद हालचाल जानने के लिए स्थानीय सपा नेता राहुल त्रिपाठी वाराणसी स्थित अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल प्रेमचंद यादव का कुशलक्षेम जाना और परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। बताया जाता है कि जफराबाद क्षेत्र में संचालित सहज जन सेवा केंद्र के संचालक प्रेमचंद यादव पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए वाराणसी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही राहुल त्रिपाठी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से मिलकर घायल के बेहतर इलाज के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और ऐसे मामलों में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे हर संभव सहयोग करेंगे। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है और लोग आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गरीबों, पिछड़ों के लिये आखिरी सांस तक लड़े बाबू शिवदयाल : महेन्द्रनाथ यादव

जन एक्सप्रेस । बस्ती

शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को उनकी जयंती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि हमें बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के जीवन संघर्ष,उद्देश्यों से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा। उन्होने वंचितों, शोषितों और समाज के कमजोर लोगों को उनका हक दिलाने के लिये विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया। सपा के पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', राजेन्द्र चौरसिया, लक्ष्मण चौरसिया, मो. स्वालेह, दयाशंकर मिश्र, आर.डी. निषाद, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी आदि ने कहा कि शिवदयाल सिंह चौरसिया ने जीवन भर पिछड़ों दलितों और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने डॉक्टर बीआर आंबेडकर के साथ भी मिलकर काम किया। चौरसिया ने बीएससी के बाद एलएलबी की डिग्री हासिल की उनका शुमार देश के नामवर वकीलों मे होता था। लोक अदालत गठन का श्रेय भी चौरसिया को जाता है। वह प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भी रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। जयन्ती पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के योगदान पर मुख्य रूप से शिवपूजन चौरसिया, जयराम चौरसिया, शोभनाथ चौरसिया, पंकज चौरसिया, नारेन्द्र चौरसिया, चन्द्रभान चौरसिया, राम स्वरूप चौरसिया, राजीव चौरसिया, नागेन्द्र चौरसिया, रामयज्ञ चौरसिया, नन्दलाल चौरसिया, तिलकराज, तिनेश्वर चौरसिया, सूरज चौरसिया, गोविन्द चौरसिया, रामदत्त, श्यामसुन्दर, चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, मोनू चौरसिया, राम स्वारथ चौरसिया, राजू चौरसिया, वासुदेव चौरसिया, रामनारायण चौरसिया, हरिनारायण चौरसिया, गुलाब सोनकर, गीता भारती, विजय लक्ष्मी, आर.डी. गोस्वामी, डा. देवेन्द्रनाथ, सावित्री सिंह, राम प्रकाश सुमन, नितराम, मधुबन यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, अजय यादव, राहुल सिंह, सौरभ मिश्रा, प्रशान्त यादव, दिनेश तिवारी, रजनीश यादव, श्याम यादव, निजामुद्दीन, अब्दुल कयूम, उदित पाण्डेय, गौरीशंकर, अंकित यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

ईद को लेकर परशुरामपुर थाने में पीस कमेटी बैठक

जन एक्सप्रेस। बस्ती। परशुरामपुर। आगामी ईद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को परशुरामपुर थाने पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय ने की। बैठक में नमाज के समय, नमाज पढ़ाने वाले मौलवी सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पुलिस प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया। थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे और शांति के साथ त्योहार मनाएं तथा किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान क्षेत्र के दोनों समुदायों के धर्मगुरु, संभ्रांत नागरिक और पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

अलविदा जुमे पर मस्जिदों में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, मुल्क में अमन-चैन और तरक्की की दुआ

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर रमजान के अलविदा जुमे पर शहर की प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुक्रवार को मुस्लिम समाज में विशेष महत्व होने के कारण बड़ी संख्या में अकीदतमंद नमाज़ अदा करने के लिए मस्जिदों में पहुंचे और इबादत में मशगूल रहे। सबसे पहले शहर की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद (बड़ी मस्जिद) में मौलाना अबू हुरैरा ने नमाज़-ए-जुमा अदा कराई। नमाज़ के बाद उन्होंने मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारा कायम रहने के लिए खास दुआ कराई। इसके बाद शिया जामा मस्जिद कसेरी बाज़ार में मौलाना महफूज़ुल हसन खान ने नमाज़ अदा करवाई। यहां भी बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और नमाज़ के बाद देश में अमन, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई। शाही अटाला मस्जिद में मौलाना अहमद नवाज ने नमाज़-ए-जुमा अदा कराई, जबकि मौलाना आफ़ाक़ ने रमजान की फजीलत बयान करते हुए कहा कि रमजान का महीना इबादत और बरकतों का महीना है। इस पाक महीने में मुसलमान तरावीह की नमाज़ अदा करते हैं, जो केवल रमजान में ही पढ़ी जाती है। वहीं मदरसा हनफिया, नवाब यूसुफ रोड स्थित मदीना मस्जिद में मौलाना अहमद रज़ा ज़ाफ़री ने नमाज़ अदा कराई। इस मौके पर मौलाना कयामुद्दीन ने नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा कि रमजान का महीना इबादत के साथ-साथ गुनाहों से बचने और तौबा करने का भी महीना है। अलविदा जुमे के अवसर पर मस्जिदों में नमाजियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं और पूरे शहर में धार्मिक आस्था का माहौल बना रहा। नमाज़ के बाद सभी ने मुल्क में अमन-चैन, सुख-शांति और तरक्की के लिए दुआ मांगी।

चीर निद्रा में सोया जल निगम विभाग, फूटी पाइप से सड़क पर बह रहा सैकड़ों लीटर पानी, हादसे का खतरा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर बरसठी क्षेत्र के निगोह-सुरियावां मुख्य मार्ग पर जल निगम विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले कई दिनों से सड़क के बीचों-बीच जल निगम की पाइप फूटी हुई है, जिससे लगातार सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बह रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक गहरी नींद में सोया हुआ है और समस्या की सुध लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार पाइप फूटने से दिन-रात पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे पानी की भारी बर्बादी हो रही है। वहीं लगातार पानी बहने से सड़क भी धीरे-धीरे कमजोर होकर ढहने की कगार पर पहुंच गई है। यदि जल्द ही मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी समय सड़क धंस सकती है और बड़ा हादसा हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह मार्ग काफी व्यस्त है और इसी रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन और यात्री गुजरते हैं। इतना ही नहीं यह सड़क कई जिलों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग भी है, फिर भी संबंधित विभाग के अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और जल निगम विभाग से जल्द से जल्द पाइप की मरम्मत कराने और सड़क को सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और संभावित हादसे से बचा जा सके।

मुर्की गांव में चार साल की बच्ची ने रखा रोजा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

केराकत! रजमान का पवित्र महीना चल रहा है।इस दौरान इबादत का जज्बा बड़ों के साथ - साथ बच्चों में भी देखा जा रहा है।इसी कड़ी में मुर्की गांव निवासी मो.हसन की चार वर्षीय पुत्री हेरा हसन ने अपना पहला रोजा रखा।हेरा हसन न केवल पूरे दिन का रोजा पूरा कर रही है,बल्कि,पांचों वक्त की नमाज भी अदा कर रही हैं।हेरा हसन 15 घंटे तक का रोजा रख अपने परिवार वालों के साथ तीन बजे भोर में सेहरी खाने के लिए जगाती हैं और सेहरी खाकर फिर तिलावत में जुट जाती हैं।कम उम्र की बच्ची के द्वारा रोजा रखने से लोग हैरान हैं।और उसके इस पहल की जमकर सराहना भी कर रहे हैं।वही बच्ची की मां उम्में हबीबा ने कहा कि मुसलमानों के लिए रोजा बहुत ही महत्वपूर्ण एवं पवित्र त्योहार है। बच्ची ने इस तपिश भरी गर्मी में रोजा रखा है जो काफी हैरान करने वाला है।मानो अल्लाह की कृपा बच्ची पर बरस रही है।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियन सूर्यांश सिंह के जनपद आगमन पर स्वागत में उमड़ा जन सैलाब

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर केराकत की धरती के लाल भारत बॉक्सिंग यूथ चैंपियन सूर्यांश सिंह के जनपद आगमन पर स्वागत में जन सैलाब उमड़ पड़ा शुक्रवार को जौनपुर सिटी स्टेशन पर जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन से उतरनें के पूर्व ही स्टेशन पर उनके स्वागत में पहले से ही प्रतीक्षारत हजारों जनपद वासियों ने फूल माला लादकर अभूतपूर्व उनका जोरदार ऐतिहासिक स्वागत किया गया। गौरतलब हो की जौनपुर जनपद की केराकत तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत मुजरा कुशियां जलालपुर निवासी पेसे से समाजसेवी व कृषक शिव बहादुर सिंह के होनहार पुत्र सूर्यांश सिंह बचपन से ही काफी होनहार प्रतिभावान युवा रहे और इसके पहले प्रदेश स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियन प्रतियोगिता 2026 में जीत हासिल कर अपने प्रतिभा का परचम लहराया है। उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के सुल्तानपुर ग्राम पंचायत के पूर्व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रधान ओमप्रकाश, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पप्पू सरोज, बच्चे लाल निराला, पूर्व भाजपा विधायक डॉक्टर हरेंद्र सिंह, डॉक्टर विनोद कुमार, मनीष कुमार, आफताब आलम समेत सैकड़ो की संख्या में सिटी स्टेशन पहुंच कर स्वागत किया गया। सूर्यांश सिंह की सफलता पर वरिष्ठ पत्रकार कौशलेंद्र गिरी दीपनरायन सिंह पूर्व सभासद यूवा भाजपा नेता मोहम्मद असलम खान, रामनवमी कन्नौजिया, आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जौनपुर की बेटी का कमाल : 29 सीटों वाले सुपर स्पेशलिटी कोर्स में डॉ. हनीफा सिद्दीकी का चयन

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जिले के शाहगंज क्षेत्र के ग्राम बरंगी की मूल निवासी डॉ0हनीफा फुआद असद सिद्दीकी ने देश के प्रतिष्ठित सुपर स्पेशलिटी कोर्स एमसीएच हेड एंड नेक ऑनको सर्जरी में चयनित होकर जनपद का नाम रोशन किया है। इस कठिन कोर्स में पूरे देश में लगभग 29 सीटें ही होती हैं, जिनके लिए हजारों डॉक्टर प्रतिस्पर्धा करते हैं। डॉ0हनीफा सिद्दीकी की इस उपलब्धि से क्षेत्र और परिवार में खुशी का माहौल है। बताया जा रहा है कि वह संभवतः महाराष्ट्र की पहली और भारत की दूसरी मुस्लिम महिला डॉक्टर हैं जिन्हें इस दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में प्रवेश मिला है। डॉ0हनीफा ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (आईआईएमएसआर), औरंगाबाद से एमबीबीएस की पढ़ाई की, जबकि टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज एवं बीवाईएल नायर हॉस्पिटल, मुंबई से एमएस (ईएनटी) की डिग्री हासिल की। डॉ0हनीफा के पति डॉ0फुआद असद सिद्दीकी प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं। उनके पिता आफताब अहमद और माता गुड़िया आफताब शेख ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन ने आज यह मुकाम दिलाया है। जैसे ही यह खबर शाहगंज क्षेत्र के बरंगी गांव पहुंची, वहां खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बेटी की सफलता पर गर्व जताया। बताया जाता है कि डॉ0हनीफा की प्रारंभिक शिक्षा मानी कलां स्थित डॉ. वकील नजीर इंटर कॉलेज से हुई। कॉलेज के संस्थापक डॉ. वकील अहमद के अनुसार, हनीफा बचपन से ही पढ़ाई में काफी मेधावी थीं। आगे की पढ़ाई के लिए उनके पिता उन्हें मुंबई ले गए, जहां से उन्होंने मेडिकल शिक्षा पूरी की और आज यह मुकाम हासिल किया। इस उपलब्धि पर उनके ससुर असद सिद्दीकी सहित निसार अहमद, तुफैल अहमद, मिर्जा इमरान बेग, हाजी खुर्शीद अहमद, डॉ. वकील अहमद, डॉ. शमीम अहमद, डॉ. शकील अहमद, शहनवाज अहमद, सदाब अहमद और शाहबाज अहमद समेत अनेक लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जौनपुर : जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लूट करने वाले तीन बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, असलहा व लूटी बाइक बरामद

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर थाना जफराबाद क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लूट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, नकदी, मोबाइल फोन और अवैध असलहे बरामद किए हैं। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश और एक पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव व सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद, गौराबादशाहपुर और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार, 11 मार्च की रात गोसाईपुर गांव में जनसेवा केंद्र संचालक प्रेमचंद यादव को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल और बैग में रखा नकदी लूट लिया था। इस मामले में प्रेमचंद यादव की पत्नी निशा देवी की तहरीर पर थाना जफराबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम कबूलपुर पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि लूट में शामिल तीन बदमाश लूटी गई मोटरसाइकिल से बेलाव की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम बेलाव पुल के पास घेराबंदी कर चेकिंग करने लगी। कुछ देर बाद एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो आरोपी कच्चे रास्ते से भागने लगे, लेकिन उबड़-खाबड़ रास्ते में बाइक गिर गई। इसके बाद तीनों आरोपी बगीचे की ओर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगे। फायरिंग में थाना जफराबाद के उपनिरीक्षक अरविंद कुमार सिंह के दाहिने हाथ में गोली लग गई, जबकि थानाध्यक्ष जफराबाद की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी आदर्श यादव उर्फ अलगू के पैर में गोली लगने के बाद उसे पकड़ लिया गया, जबकि अन्य दो आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आदर्श यादव उर्फ अलगू निवासी विशुनपुर बसवत, दिवाकर कुमार निवासी सकरा और अमन यादव निवासी बगथरी थाना गौराबादशाहपुर को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में हुआ खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी अनुराग यादव के साथ मिलकर 11 मार्च की रात गोसाईपुर गांव में जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर करीब 90 हजार रुपये, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूटी थी। बाद में अनुराग यादव ने रुपये अपने पास रख लिए और बाकी आरोपियों को 10-10 हजार रुपये, मोबाइल और मोटरसाइकिल देकर वाराणसी भागने के लिए कहा था।

बरामदगी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक .32 बोर पिस्टल, एक .315 बोर तमंचा, कारतूस, लूट के 27 हजार रुपये, दो मोबाइल फोन और लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल आरोपियों और पुलिसकर्मी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गैस जमाखोरी–कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

डीएम–एसपी ने एजेंसी संचालकों संग की बैठक, अवैध स्टोरेज पर कार्रवाई की चेतावनी

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर. ख्याति गर्ग ने गैस एजेंसी संचालकों, तेल कंपनियों के अधिकारियों, पेट्रोल पंप मालिकों और रेस्टोरेंट कारोबारियों के साथ एक बैठक की। इस दौरान व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस, डीजल और पेट्रोल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कहीं भी जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने गैस एजेंसियों को बुकिंग प्रणाली के अनुसार ही सिलेंडर वितरित करने और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने एजेंसियों को अपने प्रतिष्ठानों और गोदामों पर यह सूचना प्रदर्शित करने का निर्देश दिया कि 'हमारे पास पर्याप्त गैस उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस दी जाएगी।' उन्होंने हेल्पलाइन नंबरों को सक्रिय रखने और उपभोक्ताओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ख्याति गर्ग ने बताया कि सिलेंडरों का वितरण 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने सभी वितरण केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के सही संचालन और 15 से 30 दिनों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। एसपी ने यह भी चेतावनी दी कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने गैस वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभिन्न गैस एजेंसियों पर लेखपालों की ड्यूटी लगाई जाएगी। ये लेखपाल अपनी निगरानी में उपभोक्ताओं को सिलेंडर वितरण कराएंगे और पूरी व्यवस्था पर कड़ी नजर रखेंगे।

अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न, डीएम और एसपी की अगुवाई में शहर और खीरी टाउन में पेट्रोलिंग

- प्रमुख मस्जिदों पर चप्पे-चप्पे पुलिस तैनात, ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण के कड़े उपाय

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

जिलेभर में अलविदा जुमे की नमाज शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला प्रशासन ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए थे और पूरी तरह अलर्ट पर था। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी डॉ ख्याति गर्ग, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ विवेक तिवारी एवं पुलिस बल संग शहर और खीरी टाउन में पेट्रोलिंग की।प्रशासन की ओर से प्रमुख मस्जिदों सहित सभी स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन ने हर छोटे-बड़े स्थल पर ट्रैफिक नियंत्रण के इंतजाम भी कड़े किए।अलविदा जुमे के दृष्टिगत जिले की सभी तहसीलों में एसडीएम व सीओ अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर गहन पेट्रोलिंग की। प्रमुख मस्जिदों और नमाज स्थलों पर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया, साथ ही ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। इस व्यापक व्यवस्था से यह सुनिश्चित हुआ कि नमाजियों के लिए सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण बना रहे और जिले में शांति और अनुशासन सर्वोपरि रहे।

एक्सप्रेस खबरें...

गैस न मिलने पर जानकी रसोई में पड़ा ताला

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। क्षेत्र में ईरान इजरायल और अमेरिका के बीच युद्ध के दौरान सर्वाधिक असर एलपीजी गैस पर पड़ा है जिसकी आपूर्ति के बीच कालाबाजारी का घुन लग गया है। जिसके चलते सामाजिक और अति आवश्यक कार्य के लिए सिलेंडर उपलब्ध न होने से रसोइयों में ताला पड़ गया है। जिम्मेदारअधिकारी सब कुछ सामान्य होने की बात कहकर अपनी फोटो सोशल मीडिया पर लोड कर रहे हैं। युद्ध एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने में सरकार के भंडारण की पोल खुल गई है। नई गाइडलाइन के तहत गैस बुकिंग करना मुसीबत बना है जारी टोल फ्री नंबर पर केवल घंटी सुनाई देती है जिसके चलते आम उपभोक्ता अधिक रेट पर गैस भराने को मजबूर हो रहा है। वहीं सामाजिक कार्य के तहत निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोई में ताला लग गया है। अधिकारियों की माने पर्याप्त भंडारण होने और उपलब्धता सुनिश्चित होने की बात कही जाती है तब एजेंसी पर मारामारी और स्टॉक निल होने की बात पर जवाब देने से कतराते हैं। पेट्रोलियम उत्पादन में सर्वाधिक कालाबाजारी गैस पर ही हो रही जिसके चलते लोग गैस छोड़कर लकड़ी का सहारा तलाश रहे हैं। समस्या पर आम उपभोक्ता का एसडीएम महोदय फोन ही नहीं उठाते हैं ऐसे में समस्या का समाधान कौन करेगा।

गैस एजेंसी व मस्जिदों का किया गया सुरक्षा निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला क्षेत्र में कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी, थाना प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह तथा नानक चौकी इंचार्ज योगेश कुमार ने मय पुलिस बल के साथ क्षेत्र में गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। साथ ही अलविदा जुम्मा की नमाज को लेकर क्षेत्र की मस्जिदों का भी निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में नमाज संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

खोए मोबाइल फोन को उसके मालिक को किया सुपुर्द

जन एक्सप्रेस। सिधौली –सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपदीय पुलिस को भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग एवं खोये हुए/लावारिस स्थिति में मिलने वाले समानों को सकुशल उनके परिजनों का पता लगाकर सकुशल सुपुर्दगी हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के क्रम में क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष रामपुरकलां के नेतृत्व में थाना रामपुरकलां पुलिस टीम को खोए/गुमशुदा एंड्रॉइड मोबाइल वीवो टी3एक्स को सी ई आई आर पोर्टल पर ट्रैक कर बरामद मोबाइल फोन को उसके धारक अमित कुमार पुत्र स्व0 काशी प्रसाद निवासी ग्राम लच्छीपुर थाना रामपुर कलां सीतापुर को सुपुर्द किया गया।

ईद उल फितर की नमाज को लेकर अंजुमन कमेटी की बैठक

जन एक्सप्रेस । सिंगाही खीरी

मदरसा अंजुमन इस्लामियां में रात को ईद उल फितर की नमाज को लेकर अंजुमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कस्बे की सभी मस्जिदों के इमाम व पदाधिकारी उपस्थित रहे।अंजुमन कमेटी के सिकरेट्री जैनुल हसन ने बताया कि चांद देखने के बाद सुबह 9 बजे ईदगाह पर ईद-उल-फितर की नमाज जामा मस्जिद के इमाम मौलाना शोएब के द्वारा अदा कराई जाएगी। साथ ही जामा मस्जिद में 8 बजे हाफ़िज़ अल्वी ईद की नमाज अदा कराएंगे। भरौड़ा की नूरी मस्जिद में 8 30 पर हाफ़िज़ फारुख खां ईद की नमाज मुक़म्म करायेंगे। कमेटी के सदर तजम्मुल खान ने कहा कि ईद फितर भाईचारे का प्रतीक है, इसे मिल-जुलकर और शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। किसी भी तरह की अफवाह या गलत सूचना पर ध्यान नहीं दें। उन्होंने लोगों से कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट या वीडियो को न तो शेयर करें और न ही उस पर विश्वास करें। प्रशासन से शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए सुरक्षा को चुस्त बनाने के साथ ही शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाकर पुलिस का सहयोग करने की बात कही गई। इस दौरान ख़दीजा मस्जिद के इमाम मौलाना इरफ़ान आयशा मस्जिद के इमाम, मो0 तौहीद मौलाना इमामत हुसैन, मो0 सफीक, मो0 राशिद, मो0 शरीफ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चांदी का मुकुट पहनाकर भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता का प्रथम नगर आगमन हुआ। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत करते हुए अभिनंदन किया। नई बाईपास रोड स्थित सनसाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कौशल वर्मा ने अपनी टीम के साथजिलाध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर फूल-मालाएं पहनाईं।
इस अवसर पर डॉ. कौशल वर्मा ने जिलाध्यक्ष को चांदी का मुकुट पहनाकर और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। कार्यक्रम में प्रभात बाजपेयी रुद्र, गोपाल गुप्ता, राजीव पटेल, आनंद वर्मा, ज्ञानचंद वर्मा, कपिल वर्मा, श्रीकृष्ण वर्मा, विनोद वर्मा, विजय महेश्वरी, संत प्रवीण दास,लालाराम वर्मा, हरिओम कनौजिया, सुरेश कनौजिया (एडवोकेट), अनिल वर्मा, डॉ. सचिन पांडे, अरुण वर्मा, अनुज प्रताप सिंह, अभिषेक वर्मा, विशेष वर्मा, आनंद अर्कवंशी (एडवोकेट), केके वर्मा, सौरभ, आशीष पटेल और आदेश वर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विद्या भारती विद्यालय बराती लाल गोमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर मितौली में कक्षा अष्टम का विदाई समारोह संपन्न हुआ

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

मितौली क्षेम में विद्या भारती विद्यालय बराती लाल गोमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर मितौली खीरी में कक्षा अष्टम का विदाई समारोह संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधाकर मिश्रा ने मां सरस्वती जी पूजन अर्चन कर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। प्रधानाचार्य ने भैया बहनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह मात्र विदाई नहीं उच्च शिक्षा के लिए प्रस्थान है विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व है, शिक्षा के साथ संस्कार का बहुत ही बड़ा महत्व है किताबी ज्ञान से ही बच्चों की शिक्षा पूर्ण नहीं होती है इसके लिए बच्चों को संस्कार वान बनाना पड़ता है जिससे बच्चों का ही नहीं देश का निर्माण होता है इन्हीं बच्चों पर हमारे देश का भविष्य निर्भर करता है। अभिभावकों को भी ध्यान देना चाहिए कि हमारा बच्चा विद्यालय से आने के बाद क्या करता है ये सभी अभिभावकों का दायित्व है। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य पंकज दीक्षित ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। इस अवसर पर नितेश, जितेंद्र जी, उपेन्द्र जी, महेंद्र जी, देवेश जी, हर्षित जी आचार्य आचार्या बहने एवं भैया बहन उपस्थित रहे प्रधानाचार्य सुधाकर मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पलिया में ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार: 35 हजार की स्मैक बरामद, आरोपी कई मामलों में वांछित

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खीरी के पलिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर (स्मैक) के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से लगभग 10.10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत 35 हजार रुपये बताई जा रही है।पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन पर रोक लगाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी पलिया के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी के नेतृत्व में पलिया पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान विशाल पुत्र घनश्याम (लगभग 25 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पलिया कस्बे के मोहल्ला किसान द्वितीय, जिला खीरी का निवासी है।पुलिस ने विशाल के खिलाफ मु0अ0सं0 75/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस के अनुसार, आरोपी विशाल का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ भीरा, कोतवाली सदर, पलिया और मझगई थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगेस्टर एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

रविवार से आरंभ होगा खरमास, मांगलिक कार्य रहेंगे प्रतिबंधित....

- देवगुरु बृहस्पति की सेवा में एक माह रहेंगे भगवान सूर्य : आचार्य गौरव शास्त्री

जन एक्सप्रेस । अलीगढ़

ज्योतिष शास्त्र में मीन संक्रांति का विशेष महत्व होता है। सूर्य जब गुरु की राशि धनु एवं मीन में परिभ्रमण होता है या धनु व मीन संक्रांति होती है,सूर्य के धनु या मीन राशि में प्रवेश करने के साथ खरमास या मलमास प्रारंभ हो जाते हैं। सनातन धर्म के अनुसार एक महीने का यह अंतराल शुभ नहीं माना जाता है, इस महीने में सूर्य ग्रह देवगुरु बृहस्पति की सेवा में रहते हैं इसलिए खरमास में कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। खरमास के विषय में जानकारी देते हुए वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज के शिष्य गौरव शास्त्री ने जानकारी देते हुए कहा कि इस बार मीन राशि में सूर्य का प्रवेश 14 मार्च की मध्य रात्रि 01:01 मिनट पर होने के साथ ही खरमास आरंभ हो जाएगा। मध्य रात्रि में सूर्य का गोचर होने से खरमास का आरंभ 15 मार्च से ही माना जाएगा जो कि 14 अप्रैल को सूर्य के मेष राशि में गोचर के साथ समाप्त होगा। 14 अप्रैल को सूर्य प्रातः 09:31 मिनट पर मेष राशि में पहुंचेंगे।
आचार्य गौरव शास्त्री के अनुसार खरमास के दौरान कोई भी शुभ एवं मांगलिक कार्य सम्पन्न नहीं किये जाते हैं, जैसे नए घर का निर्माण,नए कार्य का आरंभ,मुंडन संस्कार,विवाह, जनेऊ संस्कार नामकरण, विद्या आरंभ, कर्ण छेदन, अन्न प्राशन तथा वास्तु पूजन आदि मांगलिक कार्यों को वर्जित माना जाता है उन्होंने बताया कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार खरमास में जितना हो सके जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।मान्यता अनुसार इस महीने में अन्न का दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में कभी भी अन्न धन की कमी नहीं होती है। इस महीने में सूर्यदेव को अर्घ्य देने से घर परिवार में भी सुख शांति रहती है साथ ही खरमास के दौरान भगवान विष्णु की पूजा भोग में तुलती दल के साथ प्रतिदिन करनी चाहिए। इस महीने में गंगा स्नान का अनंत गुना फल प्राप्त होता है। राशियों पर खरमास के प्रभाव को लेकर स्वामी जी ने बताया कि सूर्य का राशि परिवर्तन वृष, मिथुन, तुला और मकर राशि के लिए शुभ रहेगा, वहीं चार राशियों के लिए अशुभ और अन्य चार के लिए सामान्य रहेगा।

सपा के प्रदेश सचिव रेहान खान ने जरूरतमंदों को दिया ईद का तोहफा, कायम की हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल

जन एक्सप्रेस । पलिया कलां खीरी

रमजान के मुकद्दस महीने में जहाँ इबादत का दौर जारी है, वहीं लखीमपुर खीरी जिले के पलिया विधानसभा में गंगा-जमुनी तहजीब का एक खूबसूरत नजारा देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने अलविदा के मौके पर अपने आवास पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर न केवल जरूरतमंदों की मदद की, बल्कि समाज को एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया।
पीडीए के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में पलिया क्षेत्र के भारी संख्या में जरूरतमंद लोग एकत्रित हुए। इस दौरान रेहान खान ने आने वाले ईद के त्यौहार को देखते हुए सभी को ईद का विशेष तोहफा भेंट किया। खास बात यह रही कि इस आयोजन में केवल मुस्लिम ही नहीं, बल्कि हिंदू समाज के जरूरतमंद लोग भी शामिल हुए। रेहान खान ने जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी का स्वागत किया और उपहार वितरित किए। मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए रेहान खान ने कहा कि त्यौहार खुशियाँ बांटने का नाम है और जब हम एक-दूसरे के सुख-दुख में शरीक होते हैं, तभी असली ईद मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि पीडीए का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करना है। स्थानीय लोगों ने सपा नेता की इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम एकता की एक बड़ी मिसाल करार दिया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 138 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में

- सामूहिक विवाह समारोह में गूंजे शहनाई के स्वर, 138 जोड़े बने हमसफर
- सरकार की योजना के तहत नवदम्पत्तियों को प्रदान की गई सहायता व उपहार सामग्री

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकरनगर

जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रस्तावित 140 जोड़ों के सापेक्ष 138 जोड़ों का सामूहिक विवाह सकुशल संपन्न कराया गया। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा नवदम्पत्तियों के परिजन उपस्थित रहे और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, पूर्व विधायक त्रिवेणी राम तथा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा यमुना प्रसाद चतुर्वेदी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी आलोक दत्त उपाध्याय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित संबंधित ब्लॉक, नगर निकाय एवं नगर पंचायतों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। समारोह के दौरान सभी नवविवाहित जोड़ों को शासन द्वारा निर्धारित आर्थिक सहायता एवं उपहार सामग्री प्रदान की गई। अतिथियों ने नवदम्पत्तियों को शुभाशीष देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, गणमान्य नागरिक तथा नवदम्पत्तियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वीवीआईपी स्कूल कक्षा दो के छात्र अनिरुद्ध मिश्रा ने सुनाई कथा लोग हुए हैरान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चौबेपुर। चौबेपुर के वीवीआईपी स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 2 के अनिरुद्ध मिश्रा द्वारा सुनाई गई कथा को सुनकर सभी श्रोता हैरान हो गए। क्योंकि पहली बार किसी इतने छोटे कथा व्यास को मंच से कथा सुनाते हुए सुना गया था। नन्हे से अनिरुद्ध मिश्रा ने मधुर वाणी में व्यास पीठ से श्रीमद् भागवत कथा सुनाई। कथा सुनने पहुंचे वीवीआईपी स्कूल के चेयरमैन पुरुषोत्तम वाजपेई ने कहा कि यह पहला अवसर है जब किसी नन्हे से व्यास द्वारा श्रीमद् भागवत की कथा सुनकर सभी श्रोता मंत्र मुक्त हो गए। उन्होंने कहा कि ईश्वरी प्रेरणा से ही हर चीज संभव है।
चौबेपुर के देवपालपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शुक्रवार को बीवीआईपी स्कूल के कक्षा 2 के छात्र अनिरुद्ध मिश्रा को कथा सुनाता देख उपस्थित श्रोता हैरान के हैरान रह गए। नन्हे से बालक अनिरुद्ध मिश्रा ने राम नाम की महिमा का बखान करते हुए कहा कि यदि मानव जीवन में रहकर स्वर्ग का सुख भोगना है तो राम नाम का जप करना आवश्यक है। राम नाम के जब से ही मोक्ष की प्राप्ति होगी।

12 घंटे में मिला लापता नाबालिग, लखनऊ से सकुशल किया बरामद

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

घर से लापता हुए एक नाबालिग बच्चे को कल्याणपुर पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिवार ने राहत की सांस ली, वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी पुलिस टीम की सराहना की है। इंद्रानगर स्थित गुप्ता सोसाइटी निवासी सुप्रीती पत्नी जय प्रकाश ने पुलिस को सूचना दी कि उनका बेटा 11 मार्च की शाम करीब पांच बजे घर से बिना बताए कहीं चला गया था और देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर बच्चे की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुमशुदगी दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आसपास के इलाकों में खोजबीन के साथ-साथ तकनीकी साक्ष्यों की मदद भी ली।

सीसीटीवी कैमरों से मिला अहम सुराग

तलाश के दौरान पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में पता चला कि नाबालिग कल्याणपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से किसी ट्रेन में सवार हो गया। यह जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के जिलों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों को बच्चे के बारे में सूचना भेज दी।

चारबाग रेलवे स्टेशन से मिला बच्चा

सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस टीम को जानकारी मिली कि बच्चा लखनऊ पहुंचा है। इसके बाद पुलिस ने लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर तलाश शुरू की, जहां से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया गया।पुलिस ने बच्चे को कानपुर लाकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सकुशल मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की तत्परता और सक्रियता की सराहना की है।

सभी देशों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत

अमेरिका ने 30 दिन की छूट दी, ईरान ने क्रूड ऑयल 200 डॉलर पहुंचने की चेतावनी दी थी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं। इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की बात कही थी। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है। वहीं, ईरान चेतावनी दे चुका है कि कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर के पार पहुंच सकती हैं।

क्यों बदला अमेरिका का मन 2 मुख्य वजहें

- **होर्मुज रूट से सप्लाई ठप:** ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में सप्लाई ठप हो गई है। यहां से दुनिया का करीब 20% तेल गुजरता है। भारत जैसे देश अपनी जरूरत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से मंगाते हैं।
- **200 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल:** पिछले कुछ दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थीं। ईरान ने चेतावनी दी है कि कीमतें 200 डॉलर तक पहुंच सकती है। ऐसे में रूसी तेल बाजार में आने से सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आएगी।

अमेरिका ने कहा, रूस को ज्यादा फायदा नहीं होगा

अमेरिका के ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 𝕏 पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रम्प वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शॉर्ट-टर्म फैसला है और इससे रूस को कोई बहुत बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा। बेसेंट के मुताबिक रूस की कमाई का बड़ा हिस्सा तेल निकालने के वक्त लगने वाले टैक्स से आता है, जबकि यह छूट सिर्फ उस तेल के लिए है, जो पहले से ही ट्रांजिट (रास्ते) में है।

2022 में अमेरिका ने लगाई थी रूसी तेल पर रोक

जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगानी शुरू की थी।

कच्चा तेल 101 डॉलर प्रति बैरल पार

मिडिल ईस्ट में एनर्जी सप्लाई और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हाल ही में हुए हमलों के बाद फिर से कच्चे तेल की कीमतों में 9% से ज्यादा की तेजी आई है। इस उछाल के साथ ही तेल का दाम एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो गया है। बाजारों को सामान्य रखने के लिए स्ट्रैटजिक रिजर्व यानी आपातकालीन भंडार से रिकॉर्ड मात्रा में तेल निकालने का फैसला किया गया है, लेकिन इस फैसले पर भी सप्लाई रुकने का डर भारी पड़ गया है।

सिर्फ समुद्र में फंसे जहाजों से तेल खरीदने की मंजूरी

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग (वित्त मंत्रालय) ने गुरुवार को एक लाइसेंस जारी किया। इसके तहत उन रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और बिक्री की जा सकती है, जो 12 मार्च की रात 12:01 बजे से पहले जहाजों पर लोड हो चुके थे। यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके।

तेल पर बढ़ती चिंता और अमेरिका का फैसला

अमेरिका के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने और तेल की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए उठाया गया है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के जल्द खत्म होने के संकेत भी नहीं मिल रहे हैं।

भारत को पहले ही मिल चुकी है रियायत

बता दें कि इससे पहले अमेरिका भारत को भी इसी तरह की छूट दे चुका है। 5 मार्च को अमेरिका ने भारत को 30 दिनों की विशेष अनुमति दी थी, जिसके तहत भारत रूस से तेल खरीद सकता है। ट्रंप प्रशासन ने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया था ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई बनी रहे और कीमतों पर दबाव कम हो।

ईरान के खतरे से निपटने की कोशिश में यूएस

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए तेजी से फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान से पैदा हो रहे खतरे और अस्थिरता से भी निपटने की कोशिश कर रहा है।

167 किमी लंबा जलमार्ग है होर्मुज

ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।

तेल की बढ़ती कीमतें

गौरतलब है कि बढ़ते संघर्ष के बीच ईरानी सेना के केंद्रीय ऑपरेशन कमांड खातम अल-अंबिया के प्रवक्ता ने कहा अगर ईरान के ऊर्जा ठिकानों या बंदरगाहों पर हमला हुआ तो हम पूरे क्षेत्र के तेल और गैस ढांचे को आग लगा देंगे। इस बयान के बाद दुनिया भर के तेल बाजार में घबराहट बढ़ गई। ब्रेंट क्रूड लगभग 9.2% बढ़कर 100.46 प्रति बैरल पर बंद हुआ। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट करीब 9.7% बढ़कर 95.73 प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही ब्रेंट क्रूड की कीमत अगस्त 2022 के बाद पहली बार 100 से ऊपर गई है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच चौथी बार हुई जयशंकर-अराघची की बातचीत

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद यह दोनों नेताओं की चौथी बातचीत थी। जयशंकर और अराघची के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बीती रात फोन पर बातचीत हुई। बीती 28 फरवरी को जब अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, उसके बाद भी जयशंकर ने अराघची से बात की थी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच बीती 5 मार्च और फिर 10 मार्च को भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। बीते करीब 15 दिनों में दोनों के बीच गुरुवार रात को चौथी बार बात हुई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से मिल रही अच्छी खबर

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा, 'कल रात ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ एक और बातचीत हुई। इस बातचीत में द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।' भारत, होर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक शिपिंग मार्ग से भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित कराने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष बढ़ने के बाद तेहरान ने इस मार्ग को आंशिक रूप से अवरुद्ध कर दिया है। जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। हालांकि गुरुवार को एक अच्छी खबर सामने आई कि एक भारतीय जहाज सुरक्षित भारत पहुंचा। इसे भारत के कूटनीतिक प्रयासों का नतीजा माना जा रहा है।

ईरान ने जारी किया बयान

ईरान की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए हमलों से पैदा हुई स्थिति और क्षेत्र तथा दुनिया की स्थिरता और सुरक्षा पर इसके परिणामों के बारे में जानकारी दी। ईरानी विदेश मंत्री ने जयशंकर के सामने आत्मरक्षा के वैध अधिकार के इस्तेमाल के तेहरान के दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। बयान में कहा गया, अराघची ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंचों और संगठनों द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रमण की निंदा किए जाने की जरूरत पर जोर दिया। बहुपक्षीय सहयोग विकसित करने के एक मंच के रूप में ब्रिक्स की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने मौजूदा समय में क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता और सुरक्षा का समर्थन करने में ब्रिक्स की अहम भूमिका पर जोर दिया।

'ईरान के खिलाफ हमारी सैन्य कार्रवाई प्रभावी'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई प्रभावी साबित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है और वह जरूरी कदम उठा रही है। ट्रंप ने मिशिगन के डेट्रॉयट शहर में एक यहूदी सिनेगॉग पर हुए हमले को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना की पूरी जानकारी उन्हें दी गई है और यह बेहद दुखद घटना है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन इस मामले की गहराई से जांच करेगा और जल्द ही इसकी सच्चाई सामने लाएगा।

मिशिगन के सिनेगॉग हमले पर ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने कहा कि वह मिशिगन के यहूदी समुदाय और डेट्रॉयट के लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सिनेगॉग पर हुआ हमला बेहद गंभीर है और इसकी पूरी जांच की जाएगी। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन इस मामले की तह तक जाएगा और जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

ईरान को लेकर ट्रंप ने क्या कहा?

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ चल रही स्थिति तेजी से बदल रही है। उनके अनुसार अमेरिका की सैन्य कार्रवाई प्रभावी है और ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान आतंक और नफरत को बढ़ावा देने वाला देश है और अमेरिका इस खतरे से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है।

सेना और अपनी सरकार को लेकर ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल में अमेरिका की अर्थव्यवस्था मजबूत रही और उस समय सेना को भी काफी मजबूत किया गया। उन्होंने कहा कि इसी वजह से आज अमेरिका की सैन्य ताकत और क्षमता मजबूत दिखाई दे रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि सेना का इतना ज्यादा इस्तेमाल करना पड़ेगा।

यूएनएससी में ईरान के खिलाफ भारत के रुख पर विपक्ष का हमला, चिदंबरम बोले, भारत की विदेश नीति एकतरफा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ईरान के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को समर्थन करने के लिए सरकार की आलोचना की है। चिदंबरम ने भारत की मौजूदा विदेश नीति को एकतरफा करार दिया है। चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत की विदेश नीति अब निष्पक्ष नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि नई दिल्ली अब पूरी तरह अमेरिका और इस्राइल के पक्ष में खड़ी दिख रही है। चिदंबरम के अनुसार, भारत ने ईरान के हमलों की निंदा करने वाले प्रस्ताव को पेश करने में मदद की, लेकिन अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों पर एक शब्द नहीं कहा जिनमें 1300 ईरानी लोग मारे गए।

सुरक्षा परिषद में क्या हुआ?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव 2817 (2026) पास किया है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 13 वोट पड़े, जबकि चीन और रूस ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। इस प्रस्ताव में ईरान के उन हमलों की कड़ी निंदा की गई है जो उसने अपने पड़ोसी देशों पर किए। अमेरिका ने कहा कि ईरान हर दिशा में हमले कर रहा है। भारत सहित करीब 140 देशों ने इस टेक्स्ट को समर्थन किया।

महाराष्ट्र में सभी वाहनों के लिए एक नियम: राज्य सरकार का बड़ा फैसला, ई-रिक्शा और ई-बाइक के लिए परमिट अनिवार्य

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने अब पैसेंजर लेकर चलने वाले इलेक्ट्रिक ऑटो (ई-रिक्शा) और ई-बाइक के लिए परमिट लेना जरूरी कर दिया है। यह फैसला राज्य में नियमों को एक जैसा बनाने के लिए लिया गया है। यह जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को दी। इससे पहले, इलेक्ट्रिक ऑटो को अलग से परमिट लेने की जरूरत नहीं थी। लेकिन अब, जैसे-जैसे इन वाहनों की संख्या बढ़ रही है, सरकार ने फैसला किया है कि सभी ई-रिक्शा और ई-बाइक को परमिट लेना होगा।

क्या है नए नियम, समझिए

राज्य सरकार की तरफ से जारी किए गए नए नियमों के तहत अब इन वाहनों की नंबर प्लेट हरी पृष्ठभूमि और पीले अक्षरों वाली होगी। अब परंपरागत ऑटो, टैक्सी और इलेक्ट्रिक रिक्शा सभी पर एक जैसे नियम लागू होंगे। मंत्री सरनाईक ने बताया कि कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और नियमों का उल्लंघन कम होगा।

सभी वाहनों में आएगा अनुशासन: राज्य सरकर

मामले में राज्य सरकार का कहना है कि इस कदम से सभी वाहनों में अनुशासन आएगा, नियमों का पालन होगा और यात्रियों को सुरक्षित सेवा मिलेगी। इसके साथ ही राज्य मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि महाराष्ट्र परिवहन विभाग अब सिंगल विंडो सिस्टम भी शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इससे लोग आवेदन जमा करना, दस्तावेज जांचना और परमिट मंजूर करवाना आसान तरीके से कर पाएंगे।

'देश को एकजुट रहने की जरूरत': एलपीजी की कमी वाली खबरों पर शशि थरूर बोले, समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में एलपीजी गैस की कमी वाली खबरों को लेकर सियासत तेज है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बीच इस मामले की गूंज शुक्रवार को संसद तक सुनाई दी। ऐसे में अब इन खबरों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के बयान के अनुसार पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन ऐसा लगता है कि एलपीजी की सप्लाई में कुछ कमी हो रही है। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि इस कमी का ज्यादा असर ग्रामीण इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एलपीजी में कमी के चलते खासकर ग्रामीण इलाकों में लोग अब लकड़ी और कोयले की जगह गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसे में अगर सिलेंडर आसानी से नहीं मिलते, तो यह लोगों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। इस दौरान थरूर ने देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एकजुट होकर इस समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।

ईरान भी पूरी तरह निर्दोष नहीं: थरूर

एलपीजी की कमी वाली खबरों के बाद थरूर ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर हमला करना गलत था। उनके मुताबिक उस समय बातचीत चल रही थी और ईरान कई मांगों को मानने के लिए तैयार दिखाई दे रहा था, इसलिए ऐसे समय में हमला उचित नहीं था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है, क्योंकि उसने ऐसे देशों पर हमले किए जो इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, जिससे निर्दोष लोग प्रभावित हुए हैं। थरूर ने बताया कि इस संघर्ष में दो-तीन भारतीय नागरिकों की भी मौत हुई है, जबकि उनका इस युद्ध से कोई संबंध नहीं था।

भारत की भूमिका पर क्या बोले थरूर?

उन्होंने यह भी कहा कि एक थाई झंडे वाले टैंकर पर भी हमला हुआ है। ऐसे हालात में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। थरूर ने बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से बातचीत कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत को सिर्फ चुपचाप देखने के बजाय सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए ताकि हालात को संभाला जा सके।

संसद डायरी: अगस्त 2024-फरवरी 2026 तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर 3100 हमले, संसद में सरकार ने दी जानकारी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश में अगस्त 2024 से फरवरी 2026 के बीच हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की लगभग 3,100 घटनाएं हुई हैं। विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानवाधिकार संगठनों के आंकड़ों से इन हमलों का पता चला है। भारत सरकार इन घटनाओं पर लगातार नजर रख रही है। इनमें अल्पसंख्यकों के घरों, दुकानों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। भारत ने बांग्लादेश के बड़े अधिकारियों के साथ यह मुद्दा बार-बार उठाया है। भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश

सरकार इन मामलों की गहराई से जांच करेगी। साथ ही आगजनी और हिंसा के मामले में शामिल आरोरियों को कड़ी सजा देगी। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी बांग्लादेश सरकार की ही है। वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की मदद के लिए भारतीय मिशन 24 घंटे काम कर रहा है। इसके लिए एक इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर भी है। ढाका में भारतीय मिशन में एक विशेष अधिकारी तैनात है जो भारतीयों की शिकायतों को दूर करता है। भारतीय समुदाय की समस्याओं को सुनने के लिए मिशन समय-समय पर 'ओपन हाउस' का आयोजन भी करता है।

पीएम ने असम दौरे पर कांग्रेस पर चुन-चुन कर प्रहार किए, डबल इंजन सरकार पर जोर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के कोकराझार की जनता से मुखातिब हुए। कुछ ही हफ्ते बाद इस राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने की अपील करते हुए जनता के सामने बीते कुछ वर्षों मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को भी रेखांकित किया। पीएम मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान सबसे पहले खराब मौसम के कारण कोकराझार न आ सकने को लेकर अफसोस जताया। उन्होंने कहा, 'मौसम खराब होने की वजह से मैं कोकराझार नहीं आ पा रहा हूं। मैं आप सभी का क्षमाप्रार्थी हूं। यहां गुवाहाटी से ही आपसे संवाद संभव हुआ है।' प्रधानमंत्री ने असम की जनता से कहा, 'आपका प्यार मुझ पर एक कर्ज की तरह है, और मेरा लक्ष्य हमेशा से आपकी सेवा करके और इस क्षेत्र के विकास के लिए काम करके इस कर्ज को चुकाना रहा है। कुछ हफ्ते पहले, मुझे गुवाहाटी में समृद्ध बोडो संस्कृति को देखने का अवसर मिला था। यह देखकर मुझे गर्व महसूस होता है कि बोडो समुदाय ने अपनी भाषा और संस्कृति को किस तरह से सहेजकर रखा है।'

'बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी आशीर्वाद देने आई हैं'

असम की जनता से सीधे जुड़ाव न होने को लेकर खेद प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं दिल्ली से निकला था आपके पास आने के लिए, लेकिन मुझे गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा और अब मैं यहां से आपके दर्शन भी कर रहा हूं और आपसे बात भी कर रहस्य हूं। जहां भी मेरी नजर पहुंच रही है, मुझे लोग ही लोग नजर आ रहे हैं और इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी आशीर्वाद देने आई हैं। आपका ये प्यार मुझ पर कर्ज की तरह है और मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि इस कर्ज को मैं आपकी सेवा करके और इस क्षेत्र का विकास करके चुकाऊं।'

4,500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा-हृष्ठ की डबल इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और असम के तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। आज यहां इस कार्यक्रम में ही इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकापर्ण हुआ है। इसमें से 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बोडोलैंड की सड़कों के लिए खर्च होने जा रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि असम माला अभियान के तीसरे चरण से असम की रोड़ कनेक्टिविटी और अधिक सशक्त होगी।

बोडोलैंड कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है: पीएम मोदी

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'दशकों तक बोडोलैंड का ये क्षेत्र कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है। बोडोलैंड की अनेक पीढ़ियों को कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा। दिल्ली में बैठी कांग्रेस की सरकारों ने सिर्फ दिखावे के लिए कागजी समझौते किए। जब आपने देश और असम दोनों जगह से कांग्रेस को खदेड़ा और भाजपा-हृष्ठ को अवसर दिया, तो हमने ईमानदारी से प्रयास शुरू किए।'

बोडो शांति समझौते पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर भारत के लिए बीते एक दशक से अधिक समय में किए गए फैसलों का जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस जहां अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए अलग-अलग समुदायों में फूट डाल देती थी, वहां भाजपा ने स्थायी शांति के लिए काम किया।' इसी सोच के साथ बोडो शांति समझौता किया गया। इस समझौते में पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक साथ लाया गया।

पीएम मोदी ने डबल इंजन की सरकार पर जोर दिया

असम में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच विरोधी दल को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस झूठे वायदों की दुकान है और एक झूठे वादे के साथ चार सुपर झूठ गिफ्ट में देती है।क्योंकि उन वादों को पूरा करने का कांग्रेस का इरादा ही नहीं होता। वहीं आपके सामने भाजपा-हृष्ठ का मॉडल है। हमारी डबल इंजन सरकार ने जो भी कहा, उसको सच करने की ईमानदार कोशिश की है।'

'असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा है'

पूर्वोत्तर में हो रहे बदलावों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने बीते दशकों में बहुत कुछ सहा था, बहुत कुछ खोया था। हमने वो मुश्किल समय देखा है, जब इन पहाड़ियों में बम-बंदूक की ही गूंज सुनाई देती थी। लेकिन आज ये तस्वीर बदल रही है। आज बोडोलैंड शांति और विकास की राह पर चल पड़ा है... आज असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा है।'

बोडोलैंड के लिए सरकार ने क्या किया?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '2020 के समझौते के तहत, हमने जो भी वादे किए थे, वे लगातार प्रयासों के ज़रिए एक-एक करके पूरे किए जा रहे हैं। बोडो भाषा को 'सह-राजभाषा' का दर्जा दिया गया है।बोडोलैंड के लिए ?1,500 करोड़ का एक विशेष विकास पैकेज दिया गया है। आज, कोकराझार में एक मेडिकल कॉलेज चल रहा है। वे सभी माताएं अपना आशीर्वाद दे रही हैं, जिनके बेटे अब घर लौट आए हैं और अपने परिवारों के साथ शांति और खुशी से रह रहे हैं।